मंगलवार
08 फरवरी 2022

पृष्ठ 4
मूंगफली का अधिक सेवन स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकता है!

पृष्ठ 5
संजना सांघी की शॉर्ट फिल्म उलझे हुए 11 फरवरी को होगी रिलीज

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 15
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

आज का विचार

आँख के अंधे को दुनिया नहीं दिखती, काम के अंधे को विवेक नहीं दिखता, मद के अंधे को अपने से श्रेष्ठ नहीं दिखता और स्वार्थी को कहीं भी दोष नहीं दिखता। – चाणक्य

एक तरफ काम करने वाले दूसरी तरफ बदनाम करने वाले

कांग्रेस करती है तुष्टिकरण की राजनीतिः मोदी

संवाददाता

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज अपनी दूसरी वर्चुअल जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि हम डिजिटल यूनिवर्सिटी बनाने की बात करते हैं और वह मुस्लिम यूनिवर्सिटी बनाने की बात करते हैं। उन्होंने कांग्रेस पर तुष्टिकरण की राजनीति का आरोप लगाते हुए कहा कि हम कश्मीर की तरह उत्तराखंड को तबाह नहीं होने देंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज अपनी वर्चुअल रैली के माध्यम से नैनीताल और उधम सिंह नगर की 15 सीटों के मतदाताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हम आगे ले जाने की कोशिश और काम कर रहे हैं और कांग्रेस पीछे धकेलने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान चुनाव में एक तरफ काम करने वाले हैं और दूसरी तरफ बदनाम करने वाले हैं। उन्होंने अपने संबोधन में कांग्रेस के चार धाम और चार काम के नारे पर कटाक्ष करते

हुए कहा कि मैं आपको कांग्रेस के वह चार काम बताता हूं जो कांग्रेस करती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का पहला काम है जो करेंगे वह एक परिवार के लिए ही करेंगे, दूसरा काम है जो करेंगे वह भ्रष्टाचार के लिए करेंगे, तीसरा काम है जो करेंगे वह वोटों की तुष्टिकरण के लिए ही करेंगे और चौथा काम है जो करेंगे वह योजनाओं को लटकाने के लिए ही करेंगे जिससे कमाई का धंधा चलता रहे।

उन्होंने कहा कि यूपीए की सरकार ने अपने कार्यकाल में सूबे की सड़कों के लिए 28 सौ करोड़ दिए थे लेकिन उनकी सरकार ने उत्तराखंड की सड़कों पर 33 हजार करोड़ खर्च किया है। अगर आप तुलना करें तो इसमें जमीन आसमान का अंतर है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस को पहले न कभी यहां के विकास की याद आई न चार धामों की, जब हमारी सरकारों ने यहां सड़कों और रेल लाइनों और चार धामों में काम शुरू किया तो कांग्रेस को अब चार धाम नजर आ रहे हैं और विकास भी नजर आ रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने उत्तराखंड के लोगों को मूलभूत सुविधाओं से वंचित रखने का काम किया है। उन्होंने कहा कि हमने पर्वतमाला योजना का बजट में प्रावधान किया है। जिससे राज्य में पर्यटन और तीर्थाटन का विकास होगा। केदारधाम और हेमकुंड साहिब में रोपवे बनेंगे लोगों के रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और उनकी आय भी बढ़ेगी।

उन्होंने कहा कि हम 21वीं सदी की

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

दिल्ली की तरह करेंगे देवभूमि का विकासः केजरीवाल

संवाददाता

हरिद्वार। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव में उतरी आम आदमी पार्टी राज्य में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने नहीं अपितु सत्ता में आने के लिए जी जान से चुनाव प्रचार में जुटी हुई है। आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल बीते तीन दिनों से यहां डेरा डाले हुए हैं। उनका कहना है कि हम देवभूमि के लोगों को विश्वास दिलाना चाहते हैं कि वह एक बार हमारे ऊपर भरोसा करके देखें हम दिल्ली की तरह ही देवभूमि का विकास करेंगे क्योंकि हमें करना आता है हमने दिल्ली में करके दिखाया है।

उन्होंने लोगों से अपील की और कहा कि भाजपा और कांग्रेस ने दस-दस साल राज्य में सरकार चलाई है लेकिन उन्होंने क्या किया है? राज्य के स्कूल कॉलेज बदहाल हैं, स्वास्थ्य सेवाएं बेहाल है। बेरोजगारी और पलायन से लोग परेशान हैं। उन्होंने कहा कि मैं प्रदेश के लोगों से पूछता हूं कि भाजपा और कांग्रेस ने आपके लिए या आपके बच्चों के लिए क्या किया? उन्होंने कहा कि आज राज्य

❑हमें काम करना आता है कांग्रेस व भाजपा की तरह कारनामें करना नहीं

पर 72 हजार करोड़ कर्ज है, कहा कि हमें काम करना आता है। भाजपा व कांग्रेस की तरह कारनामें करना नहीं आता है। हमने जो दिल्ली में किया है वह हम देवभूमि में भी करके दिखा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि अगर आप एक बार फिर भाजपा या कांग्रेस की सरकार बनवा भी देंगे तब भी क्या हो जाएगा?

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

महाभारत में भीम का किरदार निभाने वाले प्रवीण कुमार सोबती का निधन

नई दिल्ली । पॉपुलर टीवी शो महाभारत में भीम का किरदार निभाने वाले प्रवीण कुमार सोबती का निधन हो गया है। उन्होंने दिल्ली स्थित अपने घर में ७४ साल की उम्र में आखिरी सांस ली। प्रवीण सोबती के निधन की खबर से इंडस्ट्री में शोक की लहर है। बता दें कि उन्होंने महाभारत के अलावा कई हिंदी फिल्मों में काम किया, लेकिन उनके भीम के किरदार ने लोगों के दिलों में अमिट छाप छोड़ दी। इस बीच, सोशल मीडिया पर लोग महाभारत के श्भीमश को अपने–अपने अंदाज में श्रद्धांजलि दे रहे हैं। प्रवीण के निधन की खबर के बाद से उनके फैन्स के दिल टूट गए हैं। लोग गहरे सदमे में हैं। ट्विटर पर लोग लगातार अपने भीम को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। प्रवीण एथलीट रह चुके हैं। वह ४ बार एशियन गेम्स मेडलिस्ट रह चुके हैं। उन्हें २ गोल्ड, १ सिल्वर और १ ब्रॉन्ज मेडल मिले हैं। ओलिंपिक्स में वह भारत को २ बार रिप्रजेंट कर चुके हैं। उन्हें अर्जुन अवॉर्ड से भी नवाजा जा चुका है। २०१३ में प्रवीण ने राजनीति में अपनी किस्मत आजमाई। वे आम आदमी पार्टी की ओर से वजीरपुर के लिए लड़े, लेकिन हार गए। इसके बाद वे भाजपा से जुड़ गए।

पिछले 24 घंटों में कोरोना के 67,597 नए मामले सामने आए, 1,188 लोगों की संक्रमण से मौत हुई

नई दिल्ली । भारत में कोरोना संक्रमण के मामलों में लगातार गिरावट जारी है। पिछले २४ घंटे में देश में कोविड–१९ संक्रमण के एक लाख से भी कम नए केस सामने आए हैं। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, आज ६७,५९७ नए मामले दर्ज किए गए हैं। वहीं, पिछले २४ घंटों में १,१८८ लोगों की कोरोना से मौत हुई, जिसके बाद मरने वालों का आंकड़ा ५ लाख ०२ हजार ८७४ हो गया है। साथ ही, इस संक्रमण से ठीक होने वाले मरीजों की संख्या १,८०,४५६ हैं। दैनिक पॉजिटिविटी रेट ५.०२ प्रतिशत रहा, जबकि देश में अभी भी ९,९४,८९१ सक्रिय मामले मौजूद हैं। इसके अलावा १,७०,२१,७२,६१५ कुल वैक्सीनेशन का आंकड़ा रहा।

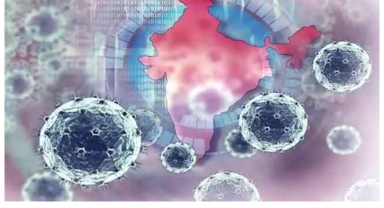

बता दें कि सोमवार के मुकाबले आज देश में कोरोना संक्रमण के नए मामलों में कमी दर्ज की गई। सोमवार को ८३,८७६ नए मामले दर्ज किए गए थे, जबकि इससे ८९५ लोगों की मौत भी हुई थी, जिसके बाद देश में कोरोना से मरने वालों की संख्या अब ५ लाख ३ हजार ८७४ पहुंच गई थी। वहीं, कल सक्रिय मामलों की संख्या घटकर ११०८९३८ रह गई थी। यही नहीं, सोमवार को दैनिक संक्रमण दर भी ७.२५ प्रतिशत दर्ज किया गया था। फिलहाल, स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को वैक्सीन की १६८.०८ करोड़ से ज़्यादा डोज़ उपलब्ध कराई गई है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पास अभी वैक्सीन की ११.८१ करोड़ से ज़्यादा डोज़ उपलब्ध है।

मुंबई में ओमिक्रोन वेरिएंट आने के बाद मामलों में आई तेजी में अब लगातार गिरावट देखी जा रही है। सोमवार को शहर में कोरोना के ताजा मामले ५०० से भी नीचे दर्ज किए गए। बीते ३६ दिनों में कोरोना के सबसे कम मामले दर्ज किए गए हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

प्रचार कम, दुष्प्रचार ज्यादा

चुनाव प्रचार के दौरान राजनीतिक दलों के नेताओं द्वारा प्रचार कम एक दूसरे के खिलाफ दुष्प्रचार ज्यादा किया जाता है बीते कुछ दशकों में इस दुष्प्रचार की स्थिति उस हद को भी पार कर चुकी है जो मतदाताओं और आम आदमी को भ्रमित करने वाली होती है। कहा जाता है कि नेताओं और राजनीति का सच समझना मुश्किल ही नहीं असंभव होता है। उत्तराखंड की दो दशक की राजनीति पर अगर गौर करें तो आपको वह दौर भी याद होगा जब भाजपा और कांग्रेस एक दूसरे के शासनकाल में होने वाले घपले-घोटालों की फेहरिस्त लेकर घूमते थे। मतदान केंद्रों तक जाने वाले रास्तों पर इन घोटालों पर सूचीबद्ध तरीके से छापे गए बड़े-बड़े पोस्टर, बैनर लगाए जाते थे। बीते कल प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी चुनावी रैली में फिर कांग्रेस पर लूटपाट की राजनीति करने वाली पार्टी बताकर हमला बोला गया। उनका कहना था कि कांग्रेस के लोग उत्तराखंड को एटीएम और तिजोरी समझते हैं। अभी उन्होंने अपने राष्ट्रीय संबोधन में भ्रष्टाचार को दीमक बताकर इसे राष्ट्र की एक बड़ी समस्या बताया था। यह समझ से परे है कि देश के पीएम भ्रष्टाचार को लेकर इतने चिंतित हैं लेकिन सूबे के भाजपा नेता कहते हैं कि राज्य में जब भ्रष्टाचार ही नहीं रहा तो लोकायुक्त की क्या जरूरत है? हरिद्वार कुंभ के दौरान कोरोना जांच के नाम पर करोड़ों का घोटाला हो गया, लेकिन भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की बात करने वाली सूबे की सरकार जिसने सत्ता में आने पर पहले 100 दिन के अंदर लोकायुक्त का गठन करने का वायदा अपने दृष्टि पत्र में किया था, जिसे वह अपने पूरे कार्यकाल में पूरा नहीं कर सकी। सवाल यह है कि राज्य से भ्रष्टाचार खत्म हो गया या राज्य में इतना भ्रष्टाचार है कि लोग लूट कर राज्य को खा रहे हैं। कौन सी बात सही है जनता किस पर भरोसा करें। बीते समय में देश के लोगों ने महंगाई की जो मार झेली है और झेल रहे हैं वह किसी कोरोना की महामारी से कम नहीं है। देश के लोगों ने इस दौर में 50 रूपये किलो आलू खाए और 100 रूपये किलो प्याज टमाटर भी खरीदे। पेट्रोल डीजल की कीमतें तथा रसोई गैस सिलेंडर के भाव तो रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच ही गए, खाद्य तेलों की कीमतों ने भी आसमान छू लिया। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी का कहना है कि यह तो कुछ भी नहीं है 2014 से पहले तो देश में महंगाई की दर 70 प्रतिशत से अधिक थी। उनकी सरकार ने कोरोना की मार के बीच भी महंगाई को पूरी तरह काबू में रखा और देश में महंगाई की दर 5 फीसदी के आस पास की है जबकि अमेरिका जैसे देशों में महंगाई की दर 7 फीसदी से ऊपर है ऐसी स्थिति में आम आदमी कन्फ्यूज है कि आखिर सच क्या है? कांग्रेस भाजपा को सांप्रदायिक पार्टी बताकर विभाजन की राजनीति करने का आरोप लगाती है तो भाजपा कांग्रेस पर ध्रुवीकरण की राजनीति करने का आरोप मढ़ती है। भाजपा और कांग्रेस के नेताओं के बीच छिड़े चुनावी संग्राम में दोनों ही स्वयं को विकास का पुरोधा बता रहे हैं और दूसरों को विनाशकारी कह रहे हैं। चुनावी वायदों और शगुफों की तरह उनकी बातों की और घोषणा पत्रों की कोई विश्वसनीयता नहीं रही है। विश्वसनीयता के इस राजनीतिक दौर में अब मतदाताओं के लिए यह फैसला मुश्किल हो गया है वह किस पर भरोसा जताये।

सीईओ ने किया पांच विद्यालयों का निरीक्षण

रुद्रपुर (आरएनएस)। पहले दिन स्कूल खुलने के साथ ही कोविड नियमों का पालन पर खास नजर बनी रही। इस दौरान सीईओ आरसी आर्या ने निरीक्षण कर छात्रों का हालचाल जाना। इसके साथ ही कोविड तैयारियां को भी देखा। इस बीच उन्होंने हर छात्र से टेबलेट के लिए जानकारी ली तो कुछ छात्रों ने बताया कि उनको अभी तक टेबलेट नहीं मिले हैं। ऐसे में जब सीईओ ने जानकारी कराई तो पता चला कि दो से तीन प्रतिशत खातों में अभी तकनीकी दिक्कतों के चलते पैसा नहीं पहुंचा है। इस पर उन्होंने कर्मचारियों को इसके लिए निर्देश दिए। सुबह करीब आठ बजे के आसपास सीईओ आरसी आर्या ने पांच विद्यालयों का निरीक्षण किया।

इस दौरान गेट पर ही सेनेटाइजर रखने और मास्क आदि की व्यवस्था रखने के निर्देश दिए। कई स्कूलों में सभी व्यवस्थाएं चुस्त–दुरूस्त दिखाई दी। इस दौरान सबसे पहले उन्होंने जीजीआईसी किच्छा का स्कूल का निरीक्षण किया। यहां पर छात्रों को सोशल डिस्टेंस का पालन कराने को कहा गया। वहीं कोविड सामग्री का भी निरीक्षण किया।उन्होंने कहा कि छात्रों की सेहत से कोई खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। इसके बाद वह राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय किच्छा में पहुंचे। यहां सभी व्यवस्थाएं पुख्ता पाई गई। जिसके बाद उन्होंने शिक्षकों को जरूरी निर्देश भी दिए। वहीं राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तुरकागौरी में निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्र–छात्राओं से टेबलट की जानकारी ली। उन्होंने छात्रों से पूछा कि सभी को टेबलेट दिए जा चुके हैं, जिसमें कुछ छात्रों ने बताया कि अभी उनके हाथ तक टेबलेट नहीं पहुंचे हैं। जिस पर उन्होंने कर्मचारियों से पता करने को कहा। जिसके बाद पता चला कि अभी दो से तीन प्रतिशत खातों में अभी पैसा नहीं पहुंचा है। जिस पर उन्होंने जल्द खातों में पैसा पहुंचाने के निर्देश दिए। इसके बाद वह राजकीय प्राथमिक विद्यालय प्रागफारक रुद्रपुर का निरीक्षण किया। इसी के साथ राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नगला में निरीक्षण दौरान सभी कुछ ओके मिला। इस दौरान उनके साथ टीम मौजूद रही।

वैक्सीन से मिली इम्यूनिटी में ओमीक्रोन से वृद्धि

मुकुल व्यास

वैक्सीन की संपूर्ण डोज लेने वाले लोगों में यदि ओमीक्रोन का संक्रमण होता है तो वह न सिर्फ खुद के खिलाफ इम्यूनिटी उत्पन्न करता है बल्कि कोरोना वायरस के दूसरे वेरिएंट्स से बचाव में वृद्धि करता है। सेन फ्रांसिस्को स्थित कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने प्रयोगशाला में चूहों पर किए गए प्रयोगों के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला है। अध्ययन से यह भी पता चला कि वैक्सीन नहीं लगवाने वाले लोगों में ऐसी एंटीबॉडीज उत्पन्न नहीं हुई जो कोरोना वायरस के दूसरे वेरिएंट्स को निष्प्रभावी कर सकें। विश्वविद्यालय की वरिष्ठ शोधकर्ता मेलेनी ओट ने कहा कि हमारे निष्कर्षों से पता चलता है कि ओमीक्रोन का संक्रमण वैक्सीनों से उत्पन्न इम्यूनिटी में वृद्धि करता है लेकिन वह अपनी तरफ से वैक्सीन नहीं लगवाने वाले लोगों में एक व्यापक इम्यूनिटी उत्पन्न नहीं करता।

वैज्ञानिक यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि सार्स–कोव–2 वायरस की विविध किस्मों के उदय के बाद क्या एक वेरिएंट दूसरे वेरिएंट के खिलाफ इम्यूनिटी प्रदान कर सकता है। एक वायरस या वेरिएंट द्वारा दूसरे वेरिएंट के खिलाफ उत्पन्न इम्यूनिटी को 'क्रॉस प्रोटेक्शन' कहा जाता है। डेल्टा वेरिएंट की तुलना में ओमीक्रोन वेरिएंट का आनुवंशिक नक्शा बहुत बदला हुआ है। ध्यान रहे कि भारत में कोविड की दूसरी लहर डेल्टा वेरिएंट की वजह से उत्पन्न हुई थी और अब विश्व में डेल्टा के साथ–साथ ओमीक्रोन का भी संक्रमण बढ़ रहा है। ओमीक्रोन उन लोगों को संक्रमित कर सकता है जिन्हें पहले कोविड हो चुका है या जिन्होंने वैक्सीन के दोनों डोज लगवाए हैं। डेल्टा से होने वाले संक्रमण में फेफड़ों की गंभीर बीमारी का खतरा रहता है जबकि ओमीक्रोन कम गंभीर बीमारी उत्पन्न करता है और इसके लक्षण ज्यादातर ऊपरी श्वास प्रणाली तक ही सीमित रहते हैं। कुछ वैज्ञानिकों का खयाल है कि ओमीक्रोन के तेजी से फैलने से सामूहिक प्रतिरक्षण में मदद मिल सकती है।

ओट और उनकी सहयोगियों ने प्रयोगों में यह दर्शाया है कि डेल्टा संक्रमण चूहों में व्यापक इम्यूनिटी उत्पन्न कर सकता है जबकि ओमीक्रोन से संक्रमित चूहों की एंटीबॉडीज सिर्फ ओमीक्रोन को ही निष्प्रभावी कर सकती है। वैक्सीन की दोनों डोज लेने वाले लोगों में ओमीक्रोन और डेल्टा के संक्रमण के मामलों में मानव सीरम के विश्लेषण से पता चलता है कि टीके लगवाने वाले लोगों में दोनों वायरस की वजह से कारगर निष्प्रभावीकरण हुआ। इस खोज का अर्थ यह है कि वैक्सीन की दोनों डोज लेने वाले व्यक्ति ओमीक्रोन या डेल्टा से संक्रमित होने के बाद दूसरे स्ट्रेन या वेरिएंट के खिलाफ इम्यून सुरक्षा हासिल कर लेते हैं। डेल्टा वेरिएंट वैक्सीन ले चुके लोगों को दोबारा संक्रमित कर सकता है लेकिन उसका संक्रमण ओमीक्रोन की तुलना में कम स्तर पर होता है। वैक्सीन निर्माता कोरोना वायरस के विभिन्न वेरिएंट्स के खिलाफ इम्यून रिस्पांस उत्पन्न करने के लिए 'मल्टीवेलेंट वैक्सीन' बनाना चाहते हैं। ओट और उनकी टीम का ख्याल है कि उनकी खोज इस तरह की समग्र वैक्सीन का डिजाइन तैयार करने में मदद कर सकती है। यदि इस वैक्सीन में ओमीक्रोन और डेल्टा आधारित इम्यून रिस्पांस को समाहित किया जाए तो वह अनेक वेरिएंट्स के खिलाफ व्यापक इम्यूनिटी प्रदान कर सकती है।

इस बीच, एक अन्य अध्ययन से पता चला है कि एक कोरोना वायरस वैक्सीन दूसरे कोरोना वायरसों के खिलाफ भी सुरक्षा प्रदान कर सकती है। यह महत्वपूर्ण खोज अमेरिका की नॉर्थ वेस्टर्न यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने की है। उन्होंने पहली बार यह पता लगाया है कि कोविड फैलाने वाले कोरोना वायरस से बचाव के लिए विकसित वैक्सीन और कोरोना वायरस के पिछले संक्रमण इसी तरह के दूसरे कोरोना वायरसों के खिलाफ विस्तृत इम्यूनिटी प्रदान कर सकती है। यह खोज एक यूनिवर्सल कोरोना वायरस वैक्सीन की आवश्यकता को रेखांकित करती है। यूनिवर्सल वैक्सीन वह होती है जो एक विशिष्ट वायरस परिवार की समस्त किस्मों और वेरिएंट से बचाव करने में सक्षम हो। इस तरह की वैक्सीन भविष्य में होने वाली महामारियों से निपटने में सहायक होंगी। नॉर्थ वेस्टर्न यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर और इस अध्ययन के प्रमुख लेखक पाब्लो पेनालोजा–मैकमास्टर ने बताया कि इस अध्ययन से पहले यह बात स्पष्ट नहीं थी कि यदि कोई व्यक्ति एक कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुका है तो क्या वह दूसरे कोरोना वायरसों से बच सकता है ? उन्होंने कहा कि हमारे अध्ययन ने यह दिखा दिया है कि ऐसा हो सकता है।

यह अध्ययन हाल में जर्नल ऑफ क्लिनिकल इन्वेस्टिगेशन पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। कोरोना वायरस के मुख्य तीन परिवार मनुष्यों में रोग फैलाते हैं। ये हैं सरबिकोवायरस, एंबिकोवायरस और मर्बिकोवायरस। सरबिकोवायरस में सार्स–कोव–1 और सार्स–कोव– 2 शामिल हैं। सार्स –कोव–1 ने 2003 में सार्स (सीवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम) बीमारी फैलाई थी जबकि सार्स–कोव–2 वर्तमान कोविड महामारी के लिए जिम्मेदार है। एंबिकोवायरस में ओसी 43 वायरस शामिल है, जिसकी वजह से सामान्य सर्दी–जुकाम होता है। मर्बिकोवायरस मेर्स बीमारी (मिडल इस्ट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम) के लिए जिम्मेदार है जो 2012 में फैली थी। अध्ययन से पता चला कि कोविड वैक्सीन लगवा चुके लोगों के प्लाज्मा द्वारा उत्पन्न एंटीबॉडीज ने सार्स कोव–1 वायरस और सामान्य सर्दी–जुकाम फैलाने वाले कोरोना वायरस ओसी 43 के खिलाफ भी सुरक्षा प्रदान की।

अध्ययन में यह भी पता चला कि सार्स–कोव–1 वैक्सीन चूहों को लगाने पर उन्होंने जो इम्यून रिस्पांस उत्पन्न किया उससे उन्हें सार्स–कोव–2 से भी सुरक्षा मिली। शोधकर्ताओं ने पता लगाया कि कोरोना वायरस के पिछले संक्रमण दूसरे कोरोना वायरसों के नए संक्रमणों से सुरक्षा प्रदान करते हैं। जिन चूहों को कोविड–19 वैक्सीन दी गई ,उन्हें बाद में सामान्य सर्दी –जुकाम के कोरोना वायरस ओसी 43 से एक्सपोज किया गया। इस वायरस से चूहों का आंशिक बचाव ही हो पाया। वैज्ञानिकों के अनुसार इसकी मुख्य वजह यह है कि सार्स– कोव–1 और सार्स– कोव–2 वायरस आनुवंशिक दृष्टि से समान हैं लेकिन सामान्य सर्दी–जुकाम का वायरस सार्स–कोव–2 वायरस से काफी भिन्न है। अब एक बड़ा सवाल यह है कि क्या एक यूनिवर्सल कोरोना वायरस का विकास संभव है? शोधकर्ताओं का कहना है कि प्रत्येक कोरोना वायरस परिवार के भिन्न होने के कारण इस तरह की वैक्सीन बनाना संभव नहीं है लेकिन प्रत्येक कोरोना वायरस परिवार के लिए एक अलग वैक्सीन बनाने की दिशा में काम किया जा सकता है। मसलन, सार्स–कोव–1 और सार्स–कोव–2 से निपटने के लिए एक पृथक आनुवंशिक वैक्सीन बनाई जा सकती है। इसी तरह सामान्य सर्दी–जुकाम फैलाने वाले वायरस परिवार के लिए एक अलग वैक्सीन बन सकती है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

य एक इद्धव्यश्चर्षणीनामिन्द्रं तं गीर्भिरभ्यर्च आभिः।

यः पत्यते वृषभो वृष्ण्यावान्सत्यः सत्वा पुरुमायः सहस्वान्।।

(ऋग्वेद ६–२२–१)

परमेश्वर अकेला ही सर्वशक्तिमान है। वह अविनाशी है। वह असंख्य गुणों से युक्त है। वह सदैव सत्य है। वह ही हमें ज्ञान और शक्ति देगा। वह ही हमें शत्रुओं को पराजित करने का सामर्थ्य प्रदान करेगा। वह ही सबका स्वामी है। वह ही केवल सबके स्तुति के योग्य है।

God alone is worthy of being adored by all. He is omnipotent. He is indestructible. He is endowed with innumerable qualities. He is the eternal truth. He will provide with us knowledge and energy. He will provide us with the ability to overpower our enemies. He alone is the lord of all.

(Rig Veda 6-22-1)

राहुल गांधी 10 फरवरी को करेंगे दो जनसभाओं को संबोधितः धीरेंद्र

संवाददाता

देहरादून। राहुल गांधी का 10 फरवरी को उत्तराखंड दौरा रहेगा। इस दौरान वह मंगलौर व जागेश्वर में जनसभाओं को भी सम्बोधित करेंगे।

यह जानकारी देते हुए उत्तराखंड कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता एवं उपाध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप ने बताया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी 10 फरवरी को दो जनसभाओं को संबोधित करेंगे। बताया कि इस दौरान वह एक जनसभा को हरिद्वार के मंगलौर विधानसभा क्षेत्र में संबोधित करेंगे । जहां से पार्टी के राष्ट्रीय सचिव काजी निजामुद्दीन विधानसभा चुनाव में पार्टी के उम्मीदवार हैं। जबकि दूसरी जनसभा वह जागेश्वर में संबोधित करेंगे जो कुमायूं का एक विधानसभा क्षेत्र हैं। जहां से पूर्व मंत्री व पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गोविंद सिंह कुंजवाल पार्टी के प्रत्याशी है।

चोरी की मोटरसाईकिल के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चोरी की मोटरसाईकिल के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गत दिवस अब्दुल समद पुत्र शरीफ अहमद निवासी छोटा रामपुर थाना सहसपुर द्वारा मुकदमा दर्ज कराया गया कि घर के पास मस्जिद के बाहर से चोरो द्वारा उसकी मोटरसाइकिल चोरी कर ली गई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। चोरी , नकबजनी आदि की घटनाओं पर अंकुश लगाने एवं खुलासे हेतु पुलिस उपमहानिरीक्षक/ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद देहरादून द्वारा सभी थाना प्रभारियों को दिए गए आदेश निर्देशों के क्रम में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी विकासनगर के निकट पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष थाना सहसपुर द्वारा प्राप्त आदेश निर्देशों के क्रम में घटना के खुलासे हेतु तत्काल थाने पर टीम का गठन कर थाना क्षेत्र में रवाना किया गया। गठित टीम द्वारा घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को देखा गया। थाना क्षेत्र में लगे सीसीटीवी फुटेज के सहयोग से शंकरपुर हुकूमतपुर नदी रपटे के पास मोटरसाईकिल सवार को रूकने का इशारा किया तो वह पुलिस को देख भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर दबोच लिया। गाडी के कागजात मांगने पर वह कागजात नही दिखा सका। उसने मोटरसाईकिल चोरी करने की बात कबूल कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम रियासत पुत्र मुस्ताक निवासी मस्जिद के पास सहसपुर बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

गांजे के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने एक किलो गांजे के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने ट्रांसपोर्ट नगर के पास एफसीआई गोदाम के सामने एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर पकड लिया। तलाशी लेने पर उसके पास थैले से पुलिस ने एक किलो गांजा बरामद कर लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम सूरज सहानी पुत्र लक्ष्मण सहानी निवासी खुडबुडा मौहल्ला बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

दुकान से उडायी लाखों की नगदी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दुकान से एक लाख 40 हजार रूपये की नगदी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार कारगी बंजारावाला निवासी गुलाब सिंह ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी कारगी काली मन्दिर के पास बर्तनों की दुकान है। गत दिवस वह साढे चार बजे किसी काम से घर तक गया था जब वह वापस आया तो उसने देखा कि उसके गल्ले से एक लाख 40 हजार रूपये गायब थे। उसने बताया कि चोरों ने उसकी दुकान के गल्ले से एक लाख चालीस हजार रूपये चोरी कर लिये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

उक्रांद प्रत्याशी ने जनसभा कर मांगा समर्थन

संवाददाता

देहरादून। डोईवाला से उत्तराखण्ड क्रांति दल के प्रत्याशी शिव प्रसाद सेमवाल ने जनसभा कर लोगों से समर्थन मांगा।

आज यहां डोईवाला विधानसभा के नत्थू वाला चौक पर शिव प्रसाद सेमवाल ने एक बड़ी जनसभा को संबोधित किया। साथ ही एक रैली भी निकाली। इस दौरान नथुवाला की पूर्व प्रधान मधु सेमवाल ने भी उत्तराखंड क्रांति दल की सदस्यता ली। मधु सेमवाल ८ सालों तक प्रधान रही साथ ही वह २० सालों से भाजपा मे अनेक पदों पर रही है। नथुवाला क्षेत्र से यह भाजपा के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है साथ ही भाजपा से बागी हुई कमला चमोली जिन्होंने भाजपा के विरुद्ध पार्षद का चुनाव लड़ा था और मात्र कुछ वोटो से ही विजयी होने से चूक गई थी। वह भी जनसभा के दौरान मंचासीन रही और शिव प्रसाद सेमवाल को अपना समर्थन दिया। समाजसेवी रामकृष्ण चमोली ने भी शिव प्रसाद सेमवाल को अपना समर्थन दिया। नत्थू वाला की जनता ने शिवप्रसाद सेमवाल को भारी जन समर्थन दिया साथ ही फूल मालाओं से उनका स्वागत किया। जनसभा को संबोधित करते हुए शिवप्रसाद ने कहा कि डोईवाला की जनता ने पार्षद से लेकर मुख्यमंत्री तक उत्तराखंड को दिया है लेकिन फिर भी पेयजल और कूड़ेदान जैसी मूलभूत समस्याओं का भी यह दल निवारण नहीं कर पाए। उन्होंने कहा कि दिल्ली वाले दलों ने पिछले २० सालों से डोईवाला की जनता को ठगने का काम किया है। लेकिन अब और नहीं डोईवाला की जनता अब जाग चुकी है और बदलाव चाहती है। और उन्हें उत्तराखंड के लिए तीसरा विकल्प उत्तराखंड क्रांति दल के रूप में साफ नजर आ रहा है। इस दौरान गीता बिष्ट, रेखा मियां,राजेश्वरी,सुलोचना ईष्टवाल,मोहन सिंह भंडारी, भगवती प्रसाद भट, महादेव नौटियाल, कमला चमोली, मधु , राजेंद्र रौथान, रमेश भंडारी, शूरवीर सिंह नेगी आदि लोग मौजूद रहे।

जलस्त्रोतों की अनदेखी सरकारी तंत्र की अदूरदर्शिता

संवाददाता

देहरादून। पहाडी इलाकों से निकलने वाले जल स्रोत जहां एक ओर दवा का काम करते हैं तो दूसरी ओर राहगीरों की प्यास भी बुझाते हैं लेकिन वह पानी दिन रात बहता रहता है और सरकारी तंत्र है कि उस पानी को संचय करने की सोचता ही नहीं है जो कि सरकारी तंत्र की अदूरदर्शिता को साफ जाहिर करता है।

उत्तराखण्ड बनने से पहले यहां पर अधिकारियों की तैनाती को सजा का नाम दिया जाता था कि उक्त अधिकारी बेकार है या फिर भ्रष्ट है इसलिए उसको यहां के पहाडी जनपदों में सजा के तौर पर तैनात किया गया है। उस समय तो माना जा सकता था कि जिस अधिकारी को सजा के तौर पर भेजा गया है तो वह यहां पर कोई कमाल करके तो नहीं दिखायेगा। लेकिन राज्य बनने के बाद यहां पर काबिल अधिकारियों की तैनाती हो रही है और पिछले 21 सालों में वह काबिल अधिकारी भी ऐसी कोई उपलब्धी नहीं कर पाये और वह भी पूर्व के अधिकारियों की तरह मात्र अपनी डयूटी बजाने के अलावा कुछ नहीं कर पायें हो

उत्तराखण्ड के पहाडी इलाकों में दर्जनों जल स्रोत बहते दिखायी दे जाते हैं। इन जलस्रोतों का पानी किसी अमृत से कम नहीं होता है। यह पहाडों से टकराती हुई तथा पहाडी क्षेत्रों में पायी जाने वाली जडी-बूटियों का स्पर्श पाते हुई यहां पर आती है जिसके चलते उन जडी-बूटियों का रस भी इसमें समा जाता है और यह जब जमीं पर आते है तो इसका जल किसी अमृत से कम नहीं होता है। लेकिन इस जल को संचय करने के बारे में अभी तक किसी भी सरकार ने सोचा ही नहीं है। यह जल बहता रहता है और इसका कोई उपयोग नहीं होता है और गर्मी के समय में शहर के अन्दर पानी के लिए त्राही-त्राही मची होती है। पानी की किल्लत से जनता को दो चार होना पडता है। अगर सरकारी तंत्र इन स्रोतों से बहने वाले पानी का उपयोग करने के बारे में सोचता तो शहर में कभी पानी की कमी नहीं हो सकती है।

राजधानी दून के रायपुर, नालापानी, हर्रावाला, थानों, गढी कैण्ट से लेकर मसूरी के रास्ते में ऐसे दर्जनों जल स्रोत देखने को मिल जाते हैं जहां से गांव की महिलाएं व युवतियां पानी भरके ले जाते हैं और उनका पानी के लिए यही एक साधन होता है। पहाडों के ग्रामीण इन्हीं जलस्रोतों पर ही निर्भर होते हैं क्योंकि वहां पर सरकार द्वारा हैडपम्प तो लगाये गये हैं लेकिन उन हैडपम्पों में पानी नहीं होता है। इस बात को भी कोई अधिकारी दोबारा देखने नहीं जाते है कि हैडपम्प तो लगवा दिये उसमें पानी है या नहीं?

मसूरी के रास्ते में बहने वाले दर्जनों जलस्रोतों पर अधिकारियों की निगाह ना पडी हो ऐसा हो नहीं सकता और निगाह पडने के बाद भी उसका सही उपयोग करने के बारे में किसी अधिकारी नहीं सोचा है तो यह उसकी सोच पर ही प्रश्न चिन्ह लगाता है? इस कुदरत के तौहफे को संचय करना बहुत जरूरी है जिससे पानी की किल्लत से भी बचा जा सकता है और अगर अधिकारियों के द्वारा लगातार इनकी अनदेखी करना तो फिर सरकारी तंत्र की अदूरदर्शिता को साफ जाहिर करता है?

असहाय जन कल्याण सेवा समिति ने जरूरत मदों को स्वीटर बांटे

संवाददाता

देहरादून। असहाय जन कल्याण सेवा समिति ने कडकती ठंड से राहत देने के लिए जरूरतमंदों को स्वेटर वितरित किये।

आज यहां असहाय जन कल्याण सेवा समिति द्वारा कड़कती ठंड से राहत देने हेतु गर्म ऊनी स्वीटर वितरित किए गए। संस्था की अध्यक्ष श्रीमती बलबीर नौटियाल ने बताया कि उनकी संस्था गरीब व्यक्तियों की सहायता हेतु समय-समय पर यथासंभव अनेकानेक प्रयास करती रहती है इसी परिपेक्ष्य मे हाल ही मे रीठा मण्डी, मुस्लिम कालोनी मे त्रैमासिक ब्यूटीशियन का प्रशिक्षण खादी ग्रामोद्योग के सहयोग से इस आशा से करवाया गया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात यह महिलाए अगर स्वयं का पार्लर खोलना चाहें तो खादी ग्रामोद्योग के प्रमाखणपत्र से इन्हें आसानी से लोन मिल सके। समिति के उपाध्यक्ष सेवा सिंह मठारू ने कहा कि उनकी संस्था का एक मात्र ध्येय गरीबों के उत्थान मे उनकी मदद करना है। इस अवसर पर गुरूद्वारा श्री गुरू सिंह सभा के जनरल सेकेट्री गुलजार सिंह, उपाध्यक्ष चरणजीत सिंह, सचिव अमरजीत सिंह छाबड़ा, राजेन्द्र सिंह राजा, राकेश सिंह, जोगेंद्र सिंह, कुमारी असमा, रणवीर कौर उपस्थित थे।

28 पेटी देशी शराब का जखीरा बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। विधानसभा चुनावों के चलते धर्मनगरी हरिद्वार में लायी गयी देशी शराब के जखीरे को पुलिस ने कल देर रात बरामद कर लिया है। हालांकि शराब तस्कर मौके से भागने में सफल रहा जिसकी तलाश की जा रही है।

मामला नगर कोतवाली क्षेत्र का है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कल देर रात नगर कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ लोग देशी शराब एकत्र कर रहे है। जिनका इस्तेमाल विधानसभा चुनावों को प्रभावित करने के उद्देश्य से किया जाना है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान हिल बाईपास रोड पर रोडवेज वर्कशॉप के समीप झाड़ियों में दबिश दी। इस दौरान पुलिस टीम को देखते ही वहां मौजूद एक व्यक्ति भाग गया। हालांकि पुलिस ने उसका पीछा किया लेकिन वह फरार होने में सफल रहा।

धर्मनगरी में हो रही है 'पिकनिक मार्का' शराब की तस्करी

हरिद्वार। विधानसभा चुनावों के चलते धर्मनगरी हरिद्वार में इन दिनों देशी शराब की तस्करी अपने चरम पर है। बीते दो दिनों से हरिद्वार पुलिस द्वारा कई स्थानों पर यह देशी शराब बरामद की गयी है। हैरानी की बात यह है कि बरामद देशी शराब पिकनिक मार्का है। जिसका चलन उत्तर प्रदेश में है। सोचनीय सवाल यह है कि जब बार्डर क्षेत्रों में इन दिनों चैकिंग बढ़ा दी गयी है तो फिर यह पिकनिक मार्का शराब उत्तराखण्ड में कैसे पहुंच रही है?

इस पर पुलिस ने जब आसपास खोजबीन की तो वहां से 28 पेटी देशी शराब बरामद हुई। बरामद शराब के जखीरे को पुलिस कोतवाली ले आयी जहां अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी है।

कपड़ों पर लग गए हैं सफेद गोंद के दाग तो अपनाएं ये तरीके, जल्द होंगे साफ

कपड़ों पर अगर गलती से भी सफेद गोंद जाए तो इसके दाग को साफ करना काफी मुश्किल हो जाता है। कई बार तो हर कोशिश बेकार हो जाती होगी और कपड़े को फेंकना ही पड़ता है। अगर आपके घर में बच्चे हैं तो आपको खासतौर पर इस परेशानी से दो-चार होना पड़ता है। हालांकि, अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है क्योंकि आज हम आपको कपड़ों से सफेद गोंद के दाग छुड़ाने के कुछ तरीके बताने जा रहे हैं।

नेल पॉलिश को साफ करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले नेल पेंट रिमूवर की मदद से भी आप कपड़ों पर लगे सफेद गोंद के दागों को साफ कर सकते हैं। इसके लिए एक कॉटन पैड में थोड़ा नेल पेंट रिमूवर लें और इसे कपड़े पर लगे गोंद के दाग पर हल्के हाथों से रगड़ें। इसके बाद दाग वाली जगह पर डिटर्जेंट लगाकर उसे रातभर के लिए अलग रख दें और फिर सुबह उठकर कपड़े को धो लें।

अगर आपके घर में हाइड्रोजन पेरॉक्साइड मौजूद है तो आप उसका इस्तेमाल करके भी कपड़ों पर लगे सफेद गोंद के दाग को आसानी से साफ कर सकते हैं क्योंकि इस केमिकल कंपाउंड में क्लीनिंग प्रॉपर्टीज मौजूद होती हैं। इसके लिए एक कटोरी में हाइड्रोजन पेरॉक्साइड और नींबू का घोल तैयार कर लें, फिर इस घोल को कपड़े पर लगे दाग पर लगाकर कुछ देर के लिए छोड़ दें। इसके बाद कपड़े को हाथ से रगड़कर गुनगुने पानी से धो लें।

टूथपेस्ट के इस्तेमाल से भी कपड़े पर लगे सफेद गोंद के दाग को साफ किया जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले दाग से प्रभावित जगह पर टूथपेस्ट लगाकर कुछ देर के लिए ऐसे ही छोड़ दें, फिर दाग पर कछ मिनट ब्रश को रगड़ें। इसके बाद कपड़े को पानी से साफ कर लें और इसे हवादार जगह पर सुखा दें। अगर एक बार में दाग न जाएं तो इस प्रक्रिया को फिर से दोहराएं।

अगर टूथपेस्ट के इस्तेमाल से कपड़े पर लगे सफेद गोंद के दाग साफ न हो तो इसके बाद अल्कोहल का इस्तेमाल करें क्योंकि इससे दाग जल्द ही साफ हो जाएंगे। इसके लिए पहले एक से दो चम्मच अल्कोहल को दाग वाली जगह पर डालकर हल्के हाथों से रगड़ें। इसके बाद अच्छे से पानी से साफ करें। अगर आपके पास अल्कोहल नहीं है तो आप इसकी जगह रबिंग अल्कोहल का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

बड़े काम आ सकते हैं शैंपू से जुड़े ये हैक्स, जरूर आजमाकर देखें

आमतौर पर आपने शैंपू का इस्तेमाल सिर की गंदगी को दूर करने के लिए किया होगा, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसके अलावा अन्य कई कामों के लिए भी शैंपू का इस्तेमाल किया जा सकता है। आप चाहें तो घर के अलग-अलग कामों के लिए और अन्य चीजों के विकल्प के रूप में शैंपू का इस्तेमाल कर सकते हैं। चलिए फिर आज शैंपू से जुड़े ऐसे ही कुछ अद्भुत हैक्स के बारे में जानते हैं।

मेकअप ब्रश से मेकअप करना तो आसान होता है, लेकिन इसके बाद ब्रश को साफ करना मुश्किल हो जाता है। हालांकि शैंपू से आप इस काम को आसान बना सकते हैं। इसके लिए हल्के गर्म पानी में थोड़ा सा शैंपू मिलाएं और फिर मेकअप ब्रश को कुछ देर के लिए इस मिश्रण में भिगो दें। इसके बाद ब्रश को नल के नीचे पानी से धो लें। ऐसे ही आप अपने हेयर ब्रश यानि कंघी को भी साफ कर सकते हैं।

कई लोग शेविंग क्रीम खत्म होने पर साबुन का इस्तेमाल करने लगते हैं, लेकिन इसके बाद त्वचा रूखी लगने लगती है। इस काम के लिए शैंपू का इस्तेमाल करना फायदेमंद हो सकता है क्योंकि इससे त्वचा रूखी नहीं होती। इसकी मदद से ब्लेड से त्वचा के कटने का डर भी नहीं रहता। हालांकि ध्यान रखें कि शैंपू हाथों पर न लगा रहे वर्ना इस वजह से आपका रेजर फिसलेगा।

डिटर्जेंट पाउडर नाजुक कपड़ों को काफी नुकसान पहुंचा सकता है। इसके इस्तेमाल से नाजुक कपड़ों का रंग हल्का हो सकता है या फिर इसके कारण कपड़े के रेशे निकलने लगते हैं जिसके बाद कपड़े को पहनने का मन नहीं करता है। ऐसे कपड़ों को धोने के लिए शैंपू का इस्तेमाल करना फायदेमंद हो सकता है क्योंकि यह आपके नाजुक कपड़ों को बिना किसी नुकसान के अच्छे से धो सकता है।

अगर आपके किसी कपड़े या बैग की चेन जाम हो गई है तो इसे ठीक करने के लिए भी आप शैंपू का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए पहले एक इयरबड पर थोड़ा सा शैंपू डालें और इसे चेन के खराब हिस्से पर लगाकर कुछ देर के लिए ऐसे ही छोड़ दें। यकीनन ऐसा करने पर आपकी चेन जल्द ही फिर से पहले की तरह काम करने लगेगी।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

मूंगफली का अधिक सेवन स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकता है!

मूंगफली न सिर्फ दोस्तों और परिवार के बीच हंसी-ठिठोली और टाइम पास का जरिया है, बल्कि यह पौष्टिक तत्वों का खजाना भी है। हालांकि, इतना ध्यान रखें कि ज्यादा मूंगफली का सेवन आपको फायदे की बजाय नुकसान पहुंचाने का कारण बन सकता है यानी इस वजह से आपका शरीर कई तरह की समस्याओं की चपेट में आ सकता है। आइए जानते हैं कि मूंगफली के अधिक सेवन से आपको किन-किन समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

अगर आपका मानना यह है कि शरीर में सूजन आना कई बीमारियों का सिर्फ एक लक्षण है तो आपको बता दें कि मूंगफली के अधिक सेवन से भी यह समस्या हो सकती है। दरअसल, मूंगफली ओमेगा-6 जैसे जरूरी अनसैचुरेटेड फैट से युक्त होती हैं और जब आप मूंगफली का अधिक सेवन करते हैं तो शरीर में अनसैचुरेटेड फैट की मात्रा काफी बढ़ जाती है, जो सूजन का कारण बनती है। हालांकि, शरीर में सूजन आने पर डॉक्टरी जांच जरूर कराएं।

मूंगफली वसा और कैलोरी से युक्त होती हैं और अगर आप इनका अधिक सेवन करते हैं तो वसा और कैलोरी की मात्रा भी अधिक होगी, जिसके कारण आपको मोटापे का सामना करना पड़ सकता है। मोटापा एक गंभीर शारीरिक समस्या है क्योंकि यह समस्या शरीर को कई बीमारियों का घर बना सकती है। इसलिए बेहतर होगा मूंगफली और इसकी जैसी कैलोरी और वसा से युक्त चीजों का अधिक सेवन करने से बचें।

अगर आपको हाई ब्लड प्रेशर यानी उच्च रक्तचाप की समस्या रहती है तो ऐसे में आपको भूल से भी मूंगफली का अधिक सेवन नहीं करना चाहिए। दरअसल, मूंगफली में सोडियम के साथ-साथ कुछ ऐसे कंपाउंड पाए जाते हैं, जो ब्लड प्रेशर को ज्यादा कर सकते हैं। इसलिए अगर आपको पहले से ही हाई ब्लड प्रेशर की समस्या है तो मूंगफली का अधिक सेवन करना आपके लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

मूंगफली का अधिक सेवन लिवर के स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर सकता है और इसे कमजोर कर सकता है। दरअसल, मूंगफली प्रोटीन युक्त होती हैं, जिसकी अधिक मात्रा शरीर में पहुंचकर शरीर की तंत्रिकाओं और कोशिकाओं में सूजन पैदा करता है, जिसकी वजह से लिवर कमजोर होने लगता है। इसके अलावा, मूंगफली का अधिक सेवन करने से फैटी लिवर की बीमारी भी हो सकती है। इसलिए बेहतर होगा कि आप रोजाना सीमित मात्रा में ही मूंगफली का सेवन करें। मूंगफली कई ऐसे पोषक तत्वों से समृद्ध होती हैं, जो शरीर के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं और न्यूट्रीशियनिस्ट की मानें तो एक दिन में एक मुट्ठी मूंगफली का सेवन करना ही लाभदायक है।

टीवी शो मोसे छल के जाए में मुख्य किरदार निभाएंगी विधि पांड्या

अभिनेत्री विधि पांड्या टेलीविजन शो मोसे छल के जाए में सौम्या वर्मा नाम की एक महत्वाकांक्षी, दृढ़निश्चयी और स्वतंत्र महिला की भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

अपने चरित्र के बारे में बात करते हुए, विधि साझा करती है कि मैं इस शो का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित हूं क्योंकि मेरा चरित्र बहुत मजबूत, स्वतंत्र और महत्वाकांक्षी है।

वह आगे कहती हैं कि एक तरह से, मैं व्यक्तिगत स्तर पर अपने चरित्र से संबंधित हूं, क्योंकि मैं भी सपनों का पीछा करने और कड़ी मेहनत के साथ उन्हें वास्तविकता में बदलने में विश्वास करती हूं लेकिन जल्द ही चीजें उनके लिए बदल जाएंगी क्योंकि जीवन में बहुत कुछ होगा।

मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित यह शो एक महत्वाकांक्षी और संघर्षशील टीवी लेखक सौम्या वर्मा और एक आकर्षक और सफल टीवी निर्माता अरमान ओबेरॉय (विजयेंद्र कुमेरिया) की यात्रा को दर्शाता है।

देखने में उनका रिश्ता एकदम सही लगता है। सौम्या को अरमान के साथ उसकी शादी बराबरी की लगती है, उसके पति ने उसकी महत्वाकांक्षाओं का समर्थन किया, लेकिन वह धोखेबाज है।

मोसे छल के जाए सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर 7 फरवरी से शुरू हुआ है।

शब्द सामर्थ्य -116

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. खूब कसा हुआ, फूर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामाग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली।

ऊपर से नीचे
1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो उबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंत:करण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

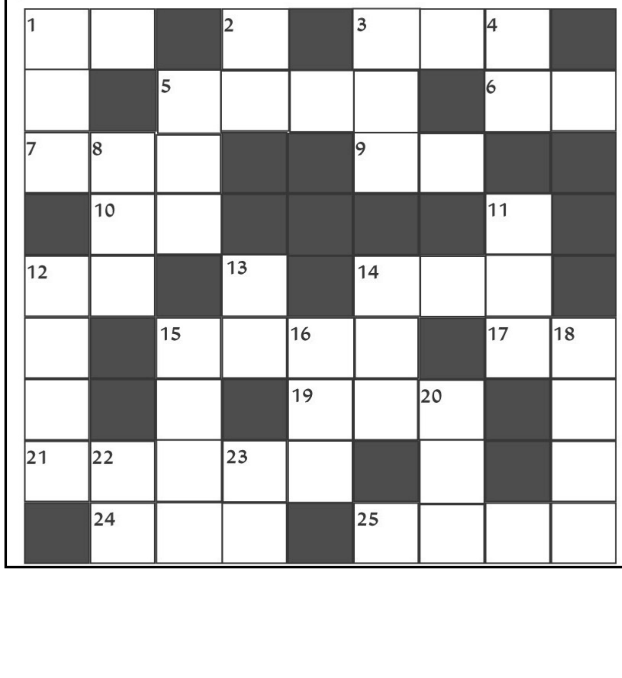

शब्द सामर्थ्य क्रमांक115का हल

गु	मा	न			प	यो	द	
न		ह	क	दा	र		ल	य
ह	वा	ला	त		च		द	म
गा			रा	ज	म	ह	ल	
र	ई	स		ग		स		अ
	मा		प	त	वा	र		ल
ख	न	क	ना		ह	त		बे
स	दा		ह		वा		शो	ला
रा	र				ही	र	क	

मीरा जैस्मिन ने अपनी राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता भूमिका को किया याद

अभिनेत्री मीरा जैस्मीन ने निर्देशक टीवी चंद्रन की मलयालम फिल्म पादम ओन्नू ओरु विलापम से शाहीना की अपनी राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता भूमिका को याद किया है। इंस्टाग्राम पर पोस्ट में मीरा ने कहा, पादम ओन्नू ओरु विलापम से शाहीना को याद करते हुए, एक चरित्र और एक यात्रा जो आत्मा को उत्तेजित कर रही थी। जीवन और कलाकारों और क्रू की ऐसी अद्भुत टीम के साथ अपनी कहानी साझा करें। प्रत्येक अनुभव और प्रत्येक एनकाउंटर को देखने के बारे में कुछ जिसने वर्षों से मेरे अस्तित्व को आकार दिया है।

2००3 में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के राष्ट्रीय पुरस्कार के अलावा, फिल्म ने मीरा को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का केरल राज्य पुरस्कार भी दिलाया।

सिनेमा से दूर हो चुकीं एक्ट्रेस अब सिल्वर स्क्रीन पर वापसी कर रही हैं। अभी हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अकाउंट खोला है।

उन्होंने निर्देशक साथियान अंतिकाड की मलयालम फिल्म मकल से एक वर्किंग स्टिल पोस्ट किया था, जो सिल्वर स्क्रीन पर उनकी वापसी को इंस्टाग्राम पर उनकी पहली तस्वीर के रूप में चिह्नित करेगी।

हीरा मंडी में रोमांटिक सीन फिल्माने के लिए इंटिमेसी डायरेक्टर की होगी एंट्री

महान निर्देशक संजय लीला भंसाली अपने ड्रीम प्रोजेक्ट हीरा मंडी को लेकर सुर्खियों में छाए हुए हैं। इस वेब सीरीज की कास्टिंग की प्रक्रिया जोर-शोर से चल रही है। कहा जाता है कि भंसाली ने इस प्रोजेक्ट को सफल बनाने के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया है। अब जानकारी सामने आ रही है कि इस सीरीज के रोमांटिक सीन को फिल्माने के लिए एक इंटिमेसी डायरेक्टर की एंट्री होने वाली है।

रिपोर्ट के मुताबिक, भंसाली हीरा मंडी में रोमांटिक सीन को शूट करने के लिए इंटिमेसी डायरेक्टर को प्रोजेक्ट में शामिल करेंगे।

सूत्र ने बताया, वेब सीरीज हीरा मंडी में काफी इंटिमेट सीन हैं। भंसाली और नेटफ्लिक्स ने लव-मेकिंग दृश्यों की शूटिंग के लिए एक विशेष महिला निर्देशक को प्रोजेक्ट में शामिल करने का फैसला किया है। इससे साफ जाहिर होता है कि सीरीज में बोल्डनेस का जबरदस्त तड़का लगाया जाएगा।

सूत्र की मानें तो कोरोना वायरस की महामारी के बाद कैमरे पर इंटिमेट सीन्स को शूट करना और भी कठिन हो गया है। इस तरह के हालातों में कोई भी कलाकार एक-दूसरे को छूने से परहेज करता है। सोशल डिस्टेंसिंग की स्थिति को देखते हुए अब परिस्थितियां बिल्कुल अलग हो गई हैं। ऐसे में इंटिमेसी डायरेक्टर की भूमिका और अधिक बढ़ जाती है। हालांकि, अभी यह नहीं बताया गया है कि किस इंटिमेसी डायरेक्टर को कास्ट किया जाएगा।

हाल में दीपिका पादुकोण और सिद्धांत चतुर्वेदी की फिल्म गहराइयां का ट्रेलर रिलीज हुआ है। इसमें दीपिका ने सिद्धांत के साथ जमकर रोमांस का तड़का लगाया है। उनके बोल्ड सीन खूब सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में डर गई ने इंटिमेसी कोच की भूमिका निभाई है। इस फिल्म को रोमांटिक बनाने का श्रेय उस को जाता है। यह फिल्म 11 फरवरी को स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

इंटिमेसी डायरेक्टर का मुख्य काम यह देखना होता है कि शूटिंग के दौरान कलाकार एक-दूसरे को फिजिकली कैसे टच करेंगे। उनके बीच सेक्सुअल या बोल्ड सीन को कैसे शूट किया जाए। इंटिमेट सीन के दौरान कलाकारों को सहज महसूस कराने की जिम्मेदारी इंटिमेसी डायरेक्टर के कंधे पर होती है। कलाकारों के हिचकिचाहट को दूर करने में भी उनका योगदान होता है। कोई गलत तरीके से किसी को टच ना करें, इसकी देखरेख भी इंटिमेसी डायरेक्टर करते हैं।

साई पल्लवी की सबसे बड़ी प्रशंसक है अभिनेत्री मधु

मणिरत्नम की क्लासिक ब्लॉकबस्टर रोजा में अपने शानदार अभिनय से लोगों का दिल जीतने वाली अभिनेत्री मधु ने कहा कि वह अभिनेत्री साई पल्लवी की सबसे बड़ी प्रशंसक हैं। मधु बाला के नाम से मशहूर मधु ने सोशल मीडिया पर ट्विटर पर एक वीडियो क्लिप डाला और कहा, सभी को नमस्कार, मैंने कल श्याम सिंघा रॉय देखी। यह सबसे अद्भुत फिल्म थी, जिसे मैंने हाल ही में देखी है। मैं साई पल्लवी की सबसे बड़ी प्रशंसक हूं। वह बहुत खूबसूरत हैं। वह सुंदर है, यथार्थवादी है। ऐसा शानदार डांसर। बेशक, नायक नानी शानदार थी। क्या फिल्म है! अद्भुत! ऑल द बेस्ट टीम।

साई पल्लवी वास्तव में वरिष्ठ अभिनेत्री की ओर से आ रही प्रशंसा से अभिभूत थीं। उन्होंने एक ट्वीट के साथ मधु को जवाब दिया, मुझे ऐसा महसूस हुआ कि मुझे एक गर्मजोशी से गले लगाया हो, मैं बहुत अभिभूत हूं। दयालु शब्दों के लिए बहुत बहुत धन्यवाद, महोदया। आपको बहुत सारा प्यार।

पिछले साल 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई राहुल सांकृत्यान की श्याम सिंघा रॉय इस साल 21 जनवरी से एक ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीमिंग शुरू हो गई है।

नानी ने फिल्म में एक लेखक और एक समाज सुधारक की भूमिका निभाई है, जिसमें साई पल्लवी एक देवदासी की भूमिका निभा रही हैं।

संजना सांघी की शॉर्ट फिल्म उलझे हुए 11 फरवरी को होगी रिलीज

संजना सांघी ने काफी कम समय में अपने अभिनय से लोगों को प्रभावित किया है। वह अपनी सुंदरता और ग्लैमर को लेकर भी सुर्खियां बटोरती हैं। सोशल मीडिया पर भी इस अभिनेत्री की अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है। अब ऐसी चर्चा है कि उनकी आगामी फिल्म उलझे हुए 11 फरवरी को रिलीज होगी। यह एक शॉर्ट फिल्म है, जिसमें अभिनेत्री का अलग अंदाज देखने को मिलेगा। खास बात यह है कि फिल्म वैलेंटाइन वीकेंड में दर्शकों के बीच आएगी।

रिपोर्ट के अनुसार, संजना की शॉर्ट फिल्म उलझे हुए 11 फरवरी को वैलेंटाइन वीकेंड के दौरान रिलीज होगी। खबरों की मानें तो इस फिल्म का प्रसारण अमेजन प्राइम वीडियो पर होगा। एक सूत्र ने बताया, इस फिल्म का शीर्षक उलझे हुए रखा गया है। इसे सतीश राज ने निर्देशित किया है। यह अमेजन प्राइम की एक शॉर्ट फिल्म है, जिसे विशेष रूप से वैलेंटाइन वीकेंड के लिए बनाया गया है।

उलझे हुए एक प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म है। खबरों की मानें तो इसकी कहानी एक जवान लड़की के इर्दगिर्द घूमती है, जो प्यार में अपनी पसंद को ढूढ़ने की कोशिश करती हैं। उम्मीद है कि वैलेंटाइन वीकेंड में फिल्म दर्शकों को पसंद आएगी।

उलझे हुए एक प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म है। खबरों की मानें तो इसकी कहानी एक जवान लड़की के इर्दगिर्द घूमती है, जो प्यार में अपनी पसंद को ढूढ़ने की कोशिश करती हैं। उम्मीद है कि वैलेंटाइन वीकेंड में फिल्म दर्शकों को पसंद आएगी।

संजना ने फिल्म रॉकस्टार से बतौर बाल कलाकार अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। यह फिल्म 2०11 में रिलीज हुई थी। रणबीर कपूर ने इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाई थी और फिल्म का निर्देशन इम्तियाज अली ने किया था। इसके बाद उन्हें हिन्दी मीडियम और फुकरे रिटर्न्स जैसी फिल्मों में सहायक भूमिका में देखा गया। हालांकि, किसी भी फिल्म में संजना ने दर्शकों को अपनी मौजूदगी का अहसास नहीं कराया। मुकेश छाबड़ा की फिल्म दिल बेचारा से संजना लोगों के बीच चर्चा में आईं। इस फिल्म में वह दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के साथ रोमांस करती नजर आई थीं। यह फिल्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हुई थी। अब जल्द ही संजना फिल्म ओम-द बैटल विन में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगी। इस फिल्म में वह आदित्य रॉय कपूर के साथ इश्क फरमाती दिखेंगी। यह एक्शन थ्रिलर फिल्म कपिल वर्मा के निर्देशन में बन रही है।

पुष्पा के हिंदी वर्जन ने बनाया रिकॉर्ड

साउथ के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की लोकप्रियता अब केवल साउथ तक सीमित नहीं है। वह बॉलीवुड में भी लोकप्रिय हो चुके हैं। पुष्पा जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म देने के बाद देशभर में अल्लू ने अपनी सफलता का परचम लहराया है। इस फिल्म के हिंदी वर्जन ने भारत में 1०० करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर ली है। फिल्म ने अपने छठे हफ्ते में प्रभास की फिल्म बाहुबली 2 का भी एक खास रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

प्राइम वीडियो पर रिलीज होने के बावजूद अपने छठे हफ्ते में पुष्पा ने हिंदी में 6 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है, जबकि बाहुबली 2 ने अपने छठे हफ्ते में 5.38 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था।

ट्रेड एनालिस्ट रमेश बाला ने ट्विटर पर लिखा, पुष्पा के हिंदी वर्जन ने सातवें हफ्ते में भारत में 1०० करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। किसी भी तेलुगु फिल्म के लिए बॉलीवुड बाजार में यह उपलब्धि हासिल करना एक बड़ा रिकॉर्ड है।

रजनीकांत और प्रभास दो ऐसे सितारे हैं, जिनकी फिल्मों ने हिंदी में 1०० करोड़ क्लब में एंट्री की है। अब अल्लू भी इस सूची में शामिल हो गए हैं। 1०० करोड़ रुपये की कमाई के साथ पुष्पा का हिंदी वर्जन 2०21 की टॉप 3 हिंदी फिल्मों में शामिल हो चुका है। बॉलीवुड के लिए पुष्पा एक सरप्राइज के तौर पर उभरी है। 1० दिनों में फिल्म ने बॉलीवुड बॉक्स ऑफिस से 37 करोड़ रुपये से अधिक जमा कर लिए थे।

अल्लू अपनी कई फिल्मों में अपने बेहतरीन अभिनय के लिए फिल्मफेयर और नंदी अवॉर्ड हासिल कर चुके हैं। उनके पिता अल्लू अरविंद जाने-माने तेलुगु फिल्म निर्देशक हैं। अल्लू गूगल पर सबसे ज्यादा सर्च किए जाने वाले सितारों में भी अपना नाम दर्ज करा चुके हैं।

दक्षिण भारतीय फिल्मों की बात करें तो पुष्पा दुनियाभर में 3०० करोड़ रुपये पार करने वाली सातवीं फिल्म बन चुकी है। इससे पहले रोबोट, बाहुबली, बाहुबली 2, कबाली, 2.० और साहो ने यह आंकड़ा पार किया है। फिलहाल 11 फरवरी को फिल्म बधाई दो की रिलीज से पहले तक सिनेमाघरों में पुष्पा आराम से दौड़ सकती है। ट्रेड पंडितों की मानें तो आने वाले 1० दिनों में फिल्म और 3 से 4 करोड़ रुपये तक का कलेक्शन कर सकती है। पुष्पा में अल्लू एक भयानक चंदन तस्कर पुष्पा राज के रूप में दिखे हैं। इसकी कहानी आंध्र प्रदेश की पहाड़ियों में लाल चंदन की डकैती पर आधारित है। इस फिल्म के जरिए पहली बार अल्लू और अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की जोड़ी देखने को मिली है।

प्रतीक गांधी ने साइन की नेटफ्लिक्स की नई वेब सीरीज

वेब सीरीज स्कैम 1992 ने अभिनेता प्रतीक गांधी को रातों-रात स्टार बना दिया था। इस सीरीज में काम करने के बाद देश ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में उन्हें ख्याति मिली। अब इस अभिनेता के प्रशंसकों के लिए एक अच्छी खबर आई है। खबरों की मानें तो प्रतीक बहुत जल्द दिग्गज स्ट्रीमिंग कंपनी नेटफ्लिक्स की नई वेब सीरीज में नजर आएंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, प्रतीक ने नेटफ्लिक्स की एक नई सीरीज साइन की है। इस सीरीज को बड़े पैमाने पर बनाया जाएगा। इस शो का शीर्षक फॉर योर आइज ओनली रखा गया है। इसमें प्रतीक एक खुफिया अधिकारी की भूमिका निभाते हुए दिखाई देंगे। एक बार फिर प्रतीक को अलग अंदाज में देखना रोचक होगा। सूत्र की मानें तो स्कैम 1992-द हर्षद मेहता के लेखक सुमित पुरोहित को इस सीरीज के निर्देशन की बागडोर दी गई है।

एक सूत्र ने कहा, यह एक जासूसी ड्रामा है जिसमें प्रतीक एक खुफिया अधिकारी की भूमिका निभाएंगे। बॉम्बे फेबल्स मोशन पिक्चर्स इस सीरीज का निर्माण कर रही है। इसकी कहानी 7० के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित है। इस सीरीज की शूटिंग तीन देशों में की जाएगी। यह एक मल्टी-स्टारर सीरीज होने जा रही है, जिसमें प्रतीक मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। गौरव शुक्ला और भावेश मंडला द्वारा सीरीज का लेखन किया जाएगा।

मेकर्स ने अभी सीरीज का आधिकारिक ऐलान नहीं किया है। सीरीज की शूटिंग जून में शुरू होने की उम्मीद है। बॉम्बे फेबल्स ने पहले सीरियस मैन और आर माधवन की सीरीज डिकपल्ड का भी निर्माण किया है। दोनों प्रोजेक्ट्स को अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। सीरियस मैन बॉम्बे फेबल्स का पहला प्रोजेक्ट था और इसे एमी अवॉर्ड में भी नॉमिनेशन मिला था। वहीं, डिकपल्ड में माधवन ने अपने अभिनय से सभी को प्रभावित किया था।

प्रतीक के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह कई प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में हैं। वह फिलहाल अपनी वेब सीरीज द ग्रेट इंडियन मर्डर के प्रमोशन में लगे हैं। इसमें उनके साथ ऋचा चड्ढा भी दिखाई देंगी। प्रतीक फिल्म वो लड़की है कहां को लेकर भी सुर्खियों में हैं। अमेरिकी रोमांटिक कॉमेडी टीवी सीरीज मॉडर्न लव के हिन्दी संस्करण के साथ भी उनका नाम जुड़ चुका है। इसमें उनके साथ फातिमा सना शेख और वामिका गब्बी दिखाई देंगी।

विचारधारा मे हमेशा जीवित रहेंगे महात्मा गांधी!

डा०श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट

देश और दुनिया के लिए महात्मा गांधी उन महान व्यक्तित्वों में से एक थें जो अपने विश्वास पर हिमालय की तरह अटल और द्रढ रहते थे ससांर का प्रत्येक व्यक्ति सोचता है कि गांधी जी एक उत्तम व्यक्ति थें तो उन्हे क्यों मार डाला गया यह सवाल अनेक लोगों ने उठाया लेकिन इसका जवाब है कि कुछ लोग नही चाहते कि देश दुनिया में भले लोगो का वजूद कायम रहे इसी कारण कुछ सिरफिरे ऐसे महानतम लोगो के भी दुश्मन बन जाते है। महात्मा गांधी की यह भी विषेशता थी कि वह चाहे कही भी रहे और चाहे जिस तरह के काम व्यस्त हो लेकिन हर रोज सुबह सबसे पहले प्रार्थना जरूर करते थे। अपने देश के लोगों में भी महात्मा गांधी शीर्ष स्तर पर छाये रहे। वास्तव में यदि कोई सार रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करने में योग्य था तो वह सिर्फ और सिर्फ महात्मा गांधी थे। बहुत सी बातों में लोगों का गांधी जी से मतभेद हो सकता है और बहुत से लोग उनसे अधिक विद्वान हो सकते है परन्तु उनमें चरित्र व राष्ट्रभक्ति की जो महतता है उसके कारण वह सब लोगों के आदर्श बन गये थे। गांधी जी निसंदेह उस धातु के बने हुए है जिस धातु से शुरमा और बलिदानी लोगों का निर्माण होता हैं आत्मिक शक्ति के बल पर महात्मा गांधी विश्व भर में छाये रहेलेकिन दुर्भाग्य है कि देश को आजाद कराने का प्रबल आधार स्तभ बने महात्मा गांधी के प्रति कृज्ञता अभिव्यक्त करने के बजाए कुछ लोग उनके हत्यारे को महिमा मंडित करने का निदंनीय प्रयास कर रहे है। ऐसे लोगो को देश कभी माफ नही करेगा।

विचारधारा की भिन्नता के कारण ही सिरफिरे नाथूराम गोड़से ने दुनिया को अहिंसा का संदेश देने वाले उस मोहनदास कर्मचन्द गांधी को मार डाला था,जिससे भारत ही नही पूरी दुनिया प्रभावित थी और आज भी जिसका प्रभाव बरकरार है।एक ऐसा गांधी जिसने कभी अपने बारे में नही सोचा।एक ऐसा गांधी जिसने कभी अपने परिवार के बारे में नही सोचा, एक ऐसा गांधी जिसने कभी किसी पद या कुर्सी की चाहत नही की।जिसे पूरी दुनिया आज भी बापू के रूप में सम्मान दे रही है,उस महान शख्सियत की गोलियों से भून कर हत्या हो जाना ,यह प्रमाणित जरूर करता है कि उस समय भी और आज भी हिंसा ने अहिंसा को बर्दाश्त नही किया है।ये दो धारायें आज भी एक दूसरे से समय समय पर टकराती है तो गांधी याद आते है।

गांधी जी एक ऐसे महान व्यक्ति थे, जिन्हें मानवता की समझ थी। उनकी जिंदगी ने मुझे बचपन से ही प्रेरित किया है। दलाई लामा के ये शब्द आज भी गांधी के प्रेरक व्यक्तित्व का दर्पण है। अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति बराकओबामा के शब्दों में, अपनी जिंदगी में प्रेरणा के लिए मैं हमेशा गांधी की तरफ देखता हूं क्योंकि वह बताते हैं कि खुद में बदलाव कर साधारण व्यक्ति भी असाधारण काम कर सकता है। वही रबिंद्रनाथ टैगोर का विचार रहा कि महात्मा गांधी लाखों बेसहारा लोगों के दरवाजे पर पहुंच जाते हैं, उनसे उन्हीं की भाषा में बात करते हैं। आखिर और कौन है, जो इतनी सहजता से इस बड़े वर्ग को अपना रहा है। प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की सोच रही कि इस देश में जो लौ महात्मा गांधी के रूप में रोशन हुई, वह साधारण नहीं थी। यह लौ आने वाले हजारों सालों तक भी राह दिखाती रहेगी। लॉर्ड माउंटबेटन कहते थे कि इतिहास में महात्मा गांधी को गौतम बुद्ध और ईसा मसीह के बराबर देखा जाएगा।वही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शब्दो में,दो अक्तूबर को पोरबंदर में एक व्यक्ति ने जन्म नहीं लिया था बल्कि एक युग की शुरुआत हुई थी। मुझे इस बात पर पूरा विश्वास है कि वह आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने अपने समय में थे। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी कहती है ,महात्मा गांधी ने दुनिया को अहिंसा,सत्यता,राष्ट्रभक्ति की राह दिखाई,सचमुच वे एक महान आत्मा थे।आजादी के आंदोलन में महात्मा गांधी की गिनती नरम नेता के रूप में होती थी।लेकिन उक्त आन्दोलन के गरम दल के नेता भी उनका उतना ही सम्मान करते थे जितना नरम दल के लोग उनका आदर भाव करते थे।

गरम दल के नेता के रूप में चर्चित रहे नेताजी सुभाष चन्द्र बोश भी उन्हे अपना नेता मानते थे। यही गांधी जी की अहिंसा की सबसे बडी कामयाबी थी। बैरिस्टर सम्मानजनक व्यवसाय को छोडकर देश के लिए वे आजादी के आन्दोलन में कूद पडे थे। उनका एक ही नारा था कि जैसे भी हो हम हथियार नही उठायेगे और बिना हथियार ही भारत मां को आजादी दिलायेगें। इसके लिए उन्होने स्वयं भी अंग्रेजो की लाठिया खायी और उन्हे बहुत सी यातना भी सहन करनी पडी। लेकिन देश की खातिर उन्होने कभी पीछे मुड़कर कर नही देखा।

अहिंसा के पुजारी मोहन दास कर्मचन्द गांधी जिन्हे सम्मान से बापू या फिर महात्मा गांधी कहते है,का दुनियाभर में आज भी उनकी विचारधारा रूप में नाम है और हमेशा रहेगा। देदी हमें आजादी बिना खडग बिना ढाल साबरमती के सन्त तूने कर दिया कमाल पंक्तिया चरितार्थ कर दिखाने वाले बापू के प्रति दुनियाभर के लोगों ने भरपूर सम्मान प्रकट किया है।

गांधी के जीवन के संस्कार अस्तेय, सत्य, अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य से बने थे. गांधी कमोबेश इन्हें अपने जीवन में, अपने कर्म और दर्शन में हमेशा उतारने की कोशिश करते रहे. गांधी ने जब सन 1920 में अपनी पहली बड़ी राजनैतिक लड़ाई शुरू की, तब तक वे देश के पारंपरिक और कट्टर हिंदुओं के लिए भी, राष्ट्रीयता, स्वतंत्रता संघर्ष और अंग्रेजों के शासन से मुक्ति की आकांक्षा के साथ-साथ, उनकी हिंदू आस्था के रक्षक और हिंदू धर्म के पुनरुद्धार का प्रतीक भी बन चुके थे। गांधी ने खुद भी, 12 अक्तूबर, सन1921 के यंग इंडिया में घोषणा की थी: मैं अपने को सनातनी हिंदू कहता हूं क्योंकि मैं वेदों, उपनिषदों, पुराणों और समस्त हिंदू शास्त्रों में विश्वास करता हूं और इसीलिए अवतारों और पुनर्जन्मों में भी मेरा विश्वास है। मैं वर्णाश्रम धर्म में विश्वास करता हूं। इसे मैं उन अर्थों में मानता हूं जो पूरी तरह वेद सम्मत हैं लेकिन उसके वर्तमान प्रचलित और भोंडे रूप को नहीं मानता।

मैं प्रचलित अर्थों से कहीं अधिक व्यापक अर्थ में गाय की रक्षा में विश्वास करता हूं। मूर्तिपूजा में मेरा विश्वास नहीं है।बावजूद इस सबके, गांधी का यह हिंदू धर्म या उनका हिंदुत्व, देश के तत्कालीन प्रमुख हिंदू संगठनों, हिंदू महासभा और राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के हिंदुत्व से पूरी तरह अलग था।महात्मा गांधी की प्रार्थना सभाओं में कुरआन का पाठ होता था। बाइबल और गीता उनके लिए बराबर का महत्व रखती थीं। गांधी का भारत वह भारत था, जिसमें समस्त स्तरों पर समानता के साथ, देश के समस्त धर्मो, जीवन पद्धतियों, उपासना पद्धतियों, रीति-रिवाजों का समावेश हो।उसी की आवश्यकता आज भी है। आने वाली पीढ़ियों को इस बात पर विश्वास करना मुश्किल होगा कि गांधी जैसा कोई व्यक्ति इस धरती पर चला करता था। अल्बर्ट आइंस्टीन के ये शब्द भावी पीढ़ी के मन मे गांधी की अहमियत का प्रमाण है। डॉक्टर मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने भी कहा था कि अगर मानवता को आगे बढ़ाना है तो गांधी बहुत ही जरूरी हैं। दुनिया में शांति और सद्भाव के लिए ही वह जीते, सोचते और काम करते हैं। हम अपने जोखिम पर ही उन्हें नजरअंदाज कर सकते हैं। बड़ी संख्या में आज भी ऐसे लोग है जो गांधी विचारधारा अपनाकर शांति,सदभाव, प्रेम,विश्वास और सौहार्द के साथ रहना चाहते है।गोड़से एक हत्यारा तो है लेकिन कभी जननायक नही कहलाया जबकि गांधी मरकर भी आमजन के मन मे महानायक है ,अहिंसा के पुजारी है,शांति और सदभाव के पैगम्बर है।जो हमेशा अमर रहेंगे।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

सू- दोकू क्र.116

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.115 का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5

विरोधाभासी नीति से कसमसाती खेती

राजेन्द्र चौधरी

हाल ही में भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा परिवर्तित जीन (जीएम) खाद्य सामग्री बाबत जारी नियमन प्रस्ताव देश में जीएम भोजन के आयात की राह खोलने का प्रयास है। देश जब चुनावों और बजट की गहमागहमी में डूबा होगा, तब ये नए नियम लागू हो सकते हैं। एक ओर प्रधानमंत्री देश को प्राकृतिक खेती, जो आत्मनिर्भर जैविक खेती का ही दूसरा नाम है, अपनाने का आह्वान कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उनकी ही सरकार अमेरिका जैसे चंद देशों से, जो जीएम फसलों को बढ़ावा देते हैं, जीएम खाद्य सामग्री के आयात का अब तक बंद रास्ता खोल रही है। क्योंकि भारत और अमेरिका समेत पूरी दुनिया में जैविक खेती में जीएम बीजों के प्रयोग की मनाही है, इसलिए सरकार की ये दोमुंही नीति समझ से परे है।

संशोधित जीन खाद्य सामग्री एक असामान्य खाद्य सामग्री है, इसलिए इसके परिणाम घातक हो सकते हैं। इसलिए पूरी दुनिया में ही इसके नियमन की विशिष्ट व्यवस्था बनाई जाती है एवं जैविक खेती में तो इनके प्रयोग का निषेध ही है। इसलिए यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि इनके दीर्घावधि प्रयोग के प्रभावों के कड़े एवं स्वतंत्र परीक्षणों, तत्पश्चात इन परीक्षणों के पारदर्शी एवं सार्वजनिक मूल्यांकन में सुरक्षित साबित होने के बाद ही संशोधित जीन खाद्य सामग्री के प्रयोग की अनुमति दी जानी चाहिए। यह भी ज़रूरी है कि अनुमति देने के बाद भी ऐसे खाद्य पदार्थों की सतत निगरानी की जानी चाहिए। उपभोक्ता को यह भी बताना सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि जो खाद्य सामग्री वह प्रयोग करने जा रहा है उसमें परिवर्तित जीन से उत्पन्न सामग्री का प्रयोग किया गया है।

दुर्भाग्य से प्रस्तावित विनियमों में उपरोक्त सभी बिन्दुओं की अनदेखी की गई है। प्रस्तावित विनियमों से ही यह स्पष्ट है कि वर्तमान प्रौद्योगिकी ०.०१ प्रतिशत (फार्म 1 कालम 8 का उपखंड 8) तक जीएम सामग्री की उपस्थिति को पकड़ सकती है, परन्तु नियमों में केवल 1 प्रतिशत या अधिक (धारा 7) जीएम सामग्री के उपयोग होने पर ही इस का उल्लेख करना अनिवार्य किया गया है। इसका अर्थ है कि तकनीकी रूप से जिस स्तर तक जीएम सामग्री के प्रयोग की पहचान संभव है, उस से १०० गुना ऐसी सामग्री को नजरंदाज करने की अनुमति देना प्रस्तावित है। इस के अलावा दिक्कत यह है कि अमीर देशों के मुकाबले भारत में अधिकांश खाद्य सामग्री की बिक्री खुले रूप में की जाती है न कि डिब्बा बंद रूप में। इसलिए जीएम सामग्री के उपयोग का उल्लेख करना अनिवार्य होने के बावजूद अधिकांश परिस्थितियों में उपभोक्ता अंधेरे में रह कर जीएम खाद्य सामग्री का प्रयोग करने को अभिशप्त हो जायेंगे।

प्रस्तावित फार्म 2 के कालम 6 से स्पष्ट प्रतीत होता है कि जीएम उत्पाद सम्मिलित खाद्य पदार्थों के सुरक्षा परीक्षण करने के अपने कोई स्वतंत्र मापदंड स्थापित नहीं किये गए हैं। इस बाबत अन्य देशों द्वारा लिए गए निर्णयों को मान लिया जाएगा। भारत में खाद्य पदार्थों की बिक्री एवं उपभोग की परिस्थितियां अमीर देशों से बिलकुल अलग हैं, इसलिए हमें अपने स्वतंत्र परीक्षण मापदंड एवं परीक्षण प्रणाली स्थापित करनी चाहिए। अब तक भारत में जीएम बीजों का नियमन दो क्रमबद्ध स्तरों पर होता है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत आने वाली जेनेटिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति (जीएसी) से अनुमति मिलने के बाद ही भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण द्वारा अनुमति का प्रावधान रहा है (हालांकि इस विषय पर कानूनी विवाद है)। अब जब इन दो क्रमबद्ध स्तरों को समानान्तर व्यवस्था में बदला जा रहा है तो यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि जीएम उत्पाद सम्मिलित खाद्य पदार्थों के नियमन की नयी व्यवस्था कम से कम जीईएसी के तहत स्थापित व्यवस्था जितनी कड़ी तो होनी ही चाहिए। बल्कि जीएम उत्पादों के प्रयोग से तैयार खाद्य पदार्थों का नियमन तो जीईएसी की प्रक्रियाओं से भी कड़ा होना चाहिए क्योंकि जीईएसी की प्रक्रियाओं में गहरी खामियां पाई गई हैं, जिसके चलते अधिकांश राज्यों ने अपने यहां नए जीएम प्रौद्योगिकी बीजों इत्यादि की अनुमति नहीं दी है।

पांच पेटी शराब के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने पांच पेटी के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में थानाध्यक्ष बसंत विहार के द्वारा आवश्यक दिशा निर्देशों के साथ थाना एवं चौकी क्षेत्र मे पुलिस टीमें गठित कर चौकिंग अभियान चलाया जा रहा है। वाहन चेकिंग के दौरान मलिक चौक थाना वसंत विहार के पास से एक लोडर वाहन आप्पे वाहन अवैध शराब परिवहन करते हुए लोडर सहित ०५ पेटी (६० बोतल) अंग्रेजी शराब हरियाणा मार्का नाइट ब्लू मेट्रो लिकर व्हिस्की की तस्करी करते हुए गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम अनुराग पुत्र अजीत सिंह निवासी मव नंव - २३० चक्खुमोहल्ला थाना कोतवाली नगर बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

त्यूणी चकराता मोटर मार्ग को तत्काल खोलने की मांग की

विकासनगर (आरएनएस)। मंसूरी चकराता त्यूणी राष्ट्रीय राजमार्ग पाचवें दिन भी बन्द होने के कारण क्षेत्रवासियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और जनता में लोनिवि के प्रति आक्रोश व्याप्त है। जिलाधिकारी से शीघ्र सड़क खुलवाने की मांग की। तीन फरवरी से जौनसार बावर क्षेत्र की लाइफलाइन सड़क चकराता त्यूणी चकराता रोड चकराता से कचानू धार तक बर्फबारी से बन्द है। लोनिवि एनएच डोईवाला डिविजन ने दो जेसीबी एक स्नो कटर रोड पांच फरवरी से लगा रखा है। लेकिन बर्फ ज्यादा होने के कारण पांचवें दिन भी सड़क नहीं खुलने से क्षेत्रवासियों को भारी दिक्कत से जूझना पड़ रहा है। जनवरी से फरवरी प्रथम सप्ताह तक तीन चार बार सड़क बन्द हो चुकी है। लेकिन लोनिवि की लापरवाही और उदासीनता क्षेत्रवासियों पर भारी पड़ रही।

युवक घर से भागा, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। परिवार वालों के डांटने से क्षुब्द युवक घर से भाग गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नारायण निवासी किताब घर निवासी कुंदन सिंह ने मसूरी कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका 17 वर्षीय पोता एक माह पूर्व घर से बिना बताये कहीं चला गया है। उनको अंदेशा है कि किसी ने उसका अपहरण कर लिया है। मसूरी कोतवाल गिरिश चन्द शर्मा ने फोन पर सम्पर्क करने पर बताया कि उक्त बालक दून के किसी स्कूल में पढता था तथा वह काफी समय से स्कूल नहीं जा रहा था तथा स्कूल के प्रिंसिपल ने उसके परिवार वालों से शिकायत कर दी तो परिवार वालों के डांटने से नाराज होकर बालक कहीं चला गया है। पुलिस ने गुमशुदगी को अपहरण की धारा में दर्ज कर लिया है।

कांग्रेस करती है तुष्टिकरण की राजनीतिः ▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

नई सोच के साथ आगे बढ़ रहे हैं नई एप्रोच के साथ आगे बढ़ रहे हैं। हम डिजिटल यूनिवर्सिटी की बात करते हैं जब हमारी पीढ़ी घर बैठ कर पढ़ सके और डिग्री ले सके, वह मुस्लिम यूनिवर्सिटी की बात करते हैं। हम मेडिकल कालेज और एम्स की बात करते हैं उन्होंने कहा कि पहले लोगों को अच्छे इलाज के लिए दिल्ली दौड़ना पड़ता था अब ऋषिकेश में इलाज होता है। उधम सिंह नगर में इलाज होगा। पहले राज्य में एमबीबीएस की 19 सौ सीटें थी अब 26 सौ सीटें हो गई है। उन्होंने कहा कि अब गरीबों के बच्चे भी डॉक्टर बनने का सपना देख सकते हैं। उन्होंने कहा कि जनता को कांग्रेस के झांसे में नहीं आना है विकास की गति को बनाए रखने के लिए एक बार फिर भाजपा की सरकार को लाना है।

आयुक्त गढ़वाल मण्डल व डीआईजी ने की समीक्षा बैठक

हमारे संवाददाता

रुद्रप्रयाग। आयुक्त गढ़वाल मण्डल सुशील कुमार एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक, गढ़वाल परिक्षेत्र करन सिंह नगन्याल की अध्यक्षता में आज जिला सभागार रुद्रप्रयाग में जनपद रुद्रप्रयाग से निर्वाचन की तैयारियों से सम्बन्धित समीक्षा गोष्ठी का आयोजन किया गया।

समीक्षा बैठक में दोनों वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा स्वयं का परिचय देते हुए बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं उनके द्वारा निर्वाचन के दृष्टिगत सम्पादित किये जा रहे दायित्वों से सम्बन्धित परिचय प्राप्त किया गया। तदोपरान्त जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग एवं मुख्य विकास अधिकारी रुद्रप्रयाग द्वारा चुनाव के सन्दर्भ में की जा रही प्रशासनिक तैयारियों तथा पुलिस अधीक्षक, रुद्रप्रयाग द्वारा शान्ति एवं कानून व्यवस्था से सम्बन्धित बिन्दुओं पर जनपद स्तर पर की गयी तैयारियों के बारे में विस्तार से बताया गया।

आयुक्त गढ़वाल मण्डल द्वारा मतदान केन्द्रों पर बुनियादी सुविधायें व्यवस्थित किये जाने के सन्दर्भ में निर्देशित किया गया। साथ ही आगामी दिवसों में एन्फोर्समेंट की कार्यवाही पर भी जोर दिये जाने हेतु निर्देशित किया गया। पुलिस उपमहानिरीक्षक, गढ़वाल परिक्षेत्र द्वारा उपस्थित उपजिलाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि, पुलिस के स्तर से किये गये 107/116 द.प्र.सं. से सम्बन्धित व्यक्तियों के पाबन्द मुचलके कराये जायें।

कोविड से सम्बन्धित समीक्षा के दौरान निर्देशित किया गया कि, निर्वाचन ड्यूटी से सम्बन्धित कार्मिकों के बूस्टर डोज लगवाये जायें। पुलिस उपमहानिरीक्षक, गढ़वाल परिक्षेत्र द्वारा निर्देशित किया गया कि, पुलिस बल की विजिबिलिटी बनी रहे तथा अधिक से अधिक फोर्स फील्ड में रहे, किसी भी प्रकार की सूचनाओं पर त्वरित रिस्पान्स किया जाये।

उपस्थित सभी अधिकारियों को आगामी निर्वाचन को निष्पक्ष, शान्तिपूर्ण ढंग से कराये जाने के निर्देशों सहित बैठक की समाप्ति की गयी।

इस अवसर पर मनुज गोयल, जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग, आयुष अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक, रुद्रप्रयाग, नरेश कुमार, मुख्य विकास अधिकारी, रुद्रप्रयाग, दीपेन्द्र नेगी, अपर जिलाधिकारी/उप निर्वाचन अधिकारी रुद्रप्रयाग, अपर्णा ढौंडियाल, उप जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग/रिटर्निंग ऑफिसर सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

आईटीआई भवन में होगी मतगणना

नई टिहरी (आरएनएस)। जिला निर्वाचन अधिकारी इवा आशीष श्रीवास्तव ने जिले के सभी राजनैतिक दलों के अध्यक्ष और सचिव को सूचित करते हुए कहा कि जिले के छह विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के मतों की गणना हेतु आईटीआई भवन नई टिहरी को विधानसभा वार तैयार किया गया है। उसका लेआउट और स्ट्रांग रूम का लेआउट प्लान का प्रस्ताव भारत निर्वाचन आयोग को अनुमोदन हेतु प्रेषित किया गया था, जिसका अनुमोदन प्राप्त हो चुका है। बताया आगामी दस १० मार्च को प्रातः आठ बजे से मतगणना प्रारम्भ होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने जिले के समस्त रिटर्निंग ऑफिसर को निर्देश दिये है कि वह अपने-अपने विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों के सभी प्रत्याशियों को अपने स्तर से मतगणना के समय हेतु अवगत करा दें।

किशोर उपाध्याय ने चंबा ब्लॉक के गांवों में किया जनसंपर्क

नई टिहरी (आरएनएस)। टिहरी विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी किशोर उपाध्याय ने विभिन्न गांवों में जनसंपर्क कर भाजपा के पक्ष में वोट देने की अपील की। उन्होंने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार में देश–प्रदेश में प्रगति के पथ पर अग्रसर है। सोमवार को भाजपा प्रत्याशी किशोर उपाध्याय ने टिहरी विधानसभा के आराकोट, नकोट, बहेड़ा, देवरी ,सुदाड़ा, ग्वाड़, जौल, भण्डार गांव, बड़ा स्यूटा, छोटा स्यूटा, मन्ज्यूड़, प्लास, बागी, मठियाण गांव में जनसम्पर्क कर भाजपा के पक्ष में वोट देने की अपील की। इस मौके पर उपाध्याय ने कहा कि वनाधिकार आंदोलन के तहत टिहरी जिले को ओबीसी घोषित करने, प्रत्येक परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने, टिहरी के लोगों को मुफ्त बिजली और पानी उपलब्ध कराने, जल–जंगल पर ग्रामीणों का अधिकार, जंगली जानवरों के कारण जान गंवा चुके ग्रामीण को ५० लाख का मुआवजा व परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने, जंगली जानवर से किसानों की फसलों को हुए नुकसान पर ५ हजार प्रति नाली मुआवजा देने की मांग सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर देश के अलग–अलग राज्यों के मुख्यमंत्रियों और सांसदों से समर्थन के लिए मुलाकात की। लेकिन कांग्रेस पार्टी ने उनके इस वनाधिकार आंदोलन की अनदेखी की और उन्हें ६ साल के लिए पार्टी से निष्कासित किया। लेकिन भाजपा के शीर्ष नेतृत्व और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वनाधिकार आंदोलन से प्रेरित होकर मुझे अपनी पार्टी में लेकर टिहरी विधानसभा से टिकट देकर टिहरी और मेरा मान सम्मान रखा। कहा कि मैं टिहरी और यहां की जनता के विकास के लिए हमेशा लड़ता रहा हूं।

29 पेटी अंग्रेजी शराब सहित एक दबोचा

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। धर्मनगरी हरिद्वार में इन दिनो शराब तस्करी अपने चरम पर है बीती रात भी पुलिस व सीआईयू की संयुक्त टीम ने एक गोदाम पर छापेमारी कर एक व्यक्ति 29 पेटी अंग्रेजी शराब सहित गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार बीती रात रानीपुर थाना पुलिस व सीआईयू टीम को सूचना मिली कि क्षेत्र के एक गोदाम में भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब का जखीरा मौजूद है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए संयुक्त टीम द्वारा बताये गये स्थान सेक्टर वन पीठ बाजार भेल हरिद्वार के समीप बने एक गोदाम पर छापेमारी की गयी। जहां एक व्यक्ति मौजूद था। जिसे हिरासत में लेने के बाद संयुक्त टीम ने 29 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद की गयी। पूछताछ में उसने अपना नाम अशोक पुत्र मेवाराम निवासी सेक्टर वन पीठ बाजार बताया। पुलिस ने उसे आबकारी अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

एक नजर

अगर कांग्रेस न होती, तो पंडित कश्मीर में होतेः पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज राज्यसभा में कश्मीरी पंडितों की पीड़ा के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार बताया। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर राज्यसभा में बोलते हुए मोदी ने तीखे शब्दों में कहा कि अगर कांग्रेस न होती, तो पंडित कश्मीर में होते। राज्यसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोवा की आजादी का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि गोवा मुक्ति को ६० साल हुए। लेकिन यदि पंडित नेहरू ने सरदार पटेल जैसी रणनीति बनाई होती तो गोवा के लोगों को हिंदुस्तान की आजादी के बाद भी १५ साल अधिक समय तक गुलामी नहीं झेलनी पड़ती। कांग्रेस आज अभिव्यक्ति की आजादी की बात करती है। लेकिन उनके समय यह कैसी दी, इसका उदाहरण देता हूं। लता जी के छोटे भाई पंडित हृदय नाथ मंगेशकर जी ऑल इंडिया रेडियो में काम करते थे। लेकिन उन्हें रेडियो से निकाल दिया गया था। उनका गुनाह सिफ ये था कि उन्होंने वीर सावरकर की एक देशभक्ति से भरी कविता की ऑल इंडिया रेडियो पर प्रस्तुति दी थी। हृदयनाथ जी ने एक इंटरव्यू में यह बताया था। उन्हें कविता गाने पर ८ दिन के अंदर रेडियो से निकाल दिया गया था। मोदी ने पूछा– ये आपका फ्रीडम ऑफ एक्सप्रेशन था।

कार ने 6 लोगों को कुचला, तीन की मौत और तीन की हालत गंभीर

पटना। पटना के मोकामा में एक कार ने ६ लोगों को रौंद दिया है। इस घटना में ३ लोगों की मौत हो गई। जबकि तीन लोग बुरी तरह घायल हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना के बाद इलाके में कोहराम मच गया है। मामला मोकामा प्रखंड के ताजपुर गांव के नजदीक का है। मौके पर पहुंची मरांची पुलिस ने शव जब्त कर तफ्तीश शुरू कर दी है। मृतकों की पहचान मरांची थाना के बादपुर गांव के प्रभांशु सिंह के बेटे कन्हैया कुमार, शेरपुर गांव के उमेश शर्मा की बेटी क्रांति देवी, और इंग्लिश गांव के मिश्री तांती का बेटे बाल मुकुंद शामिल है। जबकी घायलों में इंग्लिश गांव के मो। सलीम के पुत्र मो। आशिक, शेरपुर गांव के भेखो तांती के पुत्र उमेश तांती, शेरपुर गांव के रवि कुमार शर्मा की बेटी प्रीति देवी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि लखीसराय की ओर से आ रही एक लाल रंग की कार ने सड़क किनारे सामान खरीद रहे कुछ लोगों को रौंद दिया इसमें एक महिला और दो पुरुष की मौत हो गई, जबकि एक महिला, एक पुरुष और एक बच्चा बुरी तरह जख्मी है। सभी घायलों का स्थानीय अस्पताल में इलाज चल रहा है।

आज़म खान को चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत देने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में चुनाव प्रचार के लिए आजम खान की तरफ से लगाई गई अंतरिम जमानत की अर्जी पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को उसे खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें अंतरिम ज़मानत देने से मना कर दिया। जस्टिस एल नागेश्वर राव और बी आर गवई की बेंच ने आज़म से हाई कोर्ट में अपनी मांग रखने को कहा। मामले की सुनवाई के दौरान आज़म के लिए पैरवी कर रहे वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि इलाहाबाद हाई कोर्ट में जमानत याचिका कई महीनों से लंबित है। उन्होंने जजों से अनुरोध किया कि वह हाई कोर्ट से जल्द सुनवाई के लिए कहें। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट से कहा कि वह इस मामले का जल्द निपटारा करने की कोशिश करे। रामपुर सीट से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी आज़म खान ने अपना और पार्टी का चुनाव प्रचार करने के लिए अंतरिम जमानत दिए जाने की मांग की थी। यूपी के रामपुर से सांसद आजम खान फरवरी, २०२० से जेल में बंद है। उनके ऊपर लगभग १०० आपराधिक केस है। यह केस यूपी पुलिस के अलावा केंद्रीय एजेंसियों ने भी दर्ज किए हैं।

नकली दवा फैक्ट्री का भंडाफोड़, संचालक सहित दस गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। पुलिस ने नकली दवाएं बनाने की फैक्ट्री पर छापा मार कर करोड़ों रूपये की नकली दवाएं बरामद कर संचालक सहित दस लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। फैक्ट्री संचालक पूर्व में भी जनपद हरिद्वार में नकली दवाओं की फैक्ट्री चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया जा चुका है।

थाना कुण्डा पुलिस को सूचना मिली कि नैनी फैक्ट्री के पीछे बाबरखेड़ा (शाहगंज) में एक घर में कुछ अवैध गतिविधियां चल रही है। सूचना पर उच्चाधिकारियों को मामले से अवगत कराया गया साथ हीं इस संदिग्ध घर से जानकारी की गयी तो पता चला कि यहाँ पर नकली दवाईयों की फैक्ट्री चलायी जा रही है। इस पर पुलिस द्वारा वरिष्ठ औषधि निरीक्षक ऊधमसिंह नगर सुधीर कुमार को तत्काल मौके पर बुलवाया

❑ढाई करोड़ की नकली दवाईयां बरामद

गया एवं क्षेत्राधिकारी काशीपुर वीर सिंह के नेतृत्व में उक्त घर पर दबिश दी गयी। दबिश के दौरान फैक्ट्री संचालक सहित यहां उपस्थित दस लोगों में हड़कंप मच गया। इस पर पुलिस ने सभी दस लोगों को हिरासत में ले लिया गया। फैक्ट्री संचालक विपिन कुमार पुत्र लक्ष्मी चन्द निवासी मौहम्मदपुर जट थाना मंगलौर जिला हरिद्वार हाल निवासी ग्राम सुल्तानगढ़, थाना कुण्डा द्वारा बताया गया कि यह फैक्ट्री उसने लगायी है। साथ ही बताया गया कि वह पूर्व में भी थाना कोतवाली रूड़की, जनपद हरिद्वार से नकली दवाई की फैक्ट्री चलाने पर जेल गया था। मौके पर वरिष्ठ औषधिकारी निरीक्षक नैनीताल मीनाक्षी बिष्ट भी उपस्थित रही। तत्पश्चात पुलिस टीम की देखरेख में दोनों वरिष्ठ औषधि निरीक्षकों द्वारा मौके पर मिली सभी दवाईयों, कच्ची सामग्री को नियमानुसार कब्जे मे लिया गया। चूंकि मौके पर जो मशीने लगी है वो काफी भारी थी। अतः उनको इसी मकान में रखकर मकान को सील कर दिया गया। थाने पर वरिष्ठ औषधि निरीक्षक सुधीर कुमार द्वारा सभी आरोपियों के खिलाफ सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा कर उन्हे न्यायालय में पेश कर दिया गया है। बरामद नकली दवाओं व मशीनों की कीमत ढाई करोड़ बतायी जा रही है। जबकि अन्य आरोपियों के नाम सहदेव गुप्ता पुत्र श्याम स्वरूप गुप्ता, देवराज गुप्ता पुत्र श्यामस्वरूप गुप्ता, रविन्द्र कुमार पुत्र जयवीर सिंह, प्रदीप सिंह पुत्र वलवीर सिहं, वासुदेव पुत्र भगवान स्वरूप, जगमोहन वर्मा पुत्र रामकुमार वर्मा, सचिन कुमार पुत्र राजकुमार, उदित कुमार पुत्र शीशपाल सिंह व पाकेश पुत्र चरनजीत सिंह बताये जा रहे है।

कोविड-19 के आदेशों के उल्लंघन पर तीन दुकानदारों का चालान

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने कोविड-19 के आदेशों का उल्लंघन करते हुए अपनी दुकान में भीड जमा करने पर तीन दुकानदारों का चालान कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार डोईवाला कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि कुछ दुकानदार अपनी दुकान में भीड लगाकर कोविड-19 के नियमों का उल्लंघन कर रहे है। जिसके बाद पुलिस ने हर्रावाला स्थित बिष्ट रेस्टोरेंट, मियांवाला स्थित रावत फास्ट फूड, लालतप्पड में एक रेस्टोरेंट पर छापा मारा तो वहां पर लोगों की भीड जमा थी तथा कोविड-19 के नियमों का पालन नहीं किया जा रहा था। जिसपर पुलिस ने तीनों दुकान स्वामियों का चालान कर उनके खिलाफ मुकदमा भी दर्ज कर लिया है।

अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी देकर ठगे 93 हजार

संवाददाता

देहरादून। युवक की अश्लील फोटो वायरल कर उससे 93 हजार रूपये ठग लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार झाझरा निवासी युवक ने साईबर थाने में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसके मोबाइल पर एक कॉल आयी और कॉल करने वाले ने उससे अश्लील बातें की तथा उसके मोबाइल पर उसकी अश्लील फोटो भेज दी तथा उससे कहा कि वह उसकी फोटो वायरल कर देगा। जिसके डर से उसने कॉल करने वाले के बताये खाता संख्या में 93 हजार रूपये डलवा दिये। साइबर थाना के आदेश पर प्रेमनगर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भाजपा प्रत्याशी शिव अरोड़ा पर रुपए बांटने का आरोप

संवाददाता

देहरादून। जैसे-जैसे चुनावी प्रक्रिया आगे बढ़ रही है भाजपा और कांग्रेस के नेता व अन्य प्रत्याशी एक दूसरे को पटखनी देने के लिए हर एक दांव-पेच आजमा रहे हैं। कांग्रेस को मुस्लिम यूनिवर्सिटी के मामले में घेरने में जुटी भाजपा के खिलाफ कांग्रेस ने चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाया है वही भाजपा के बागी प्रत्याशी राजकुमार ठुकराल ने भी भाजपा प्रत्याशी शिव अरोड़ा के खिलाफ चुनाव आयोग में चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत की गई है।

सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए हरीश रावत के दाढ़ी वाले फोटो और उस पर लिखी कांग्रेस विरोधी बातों को लेकर कांग्रेस ने चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया है कि यह आचार संहिता का उल्लंघन है और कांग्रेस व हरीश रावत की छवि को खराब करने का प्रयास है। उल्लेखनीय है कि भाजपा नेता तेजेंद्र बग्गा पर ऐसा करने का आरोप लगाते हुए उन पर कार्रवाई की मांग की गई है। इस मुद्दे को

❑हरीश के खिलाफ दुष्प्रचार पर कांग्रेस पहुंची चुनाव आयोग

लेकर भाजपा लगातार कांग्रेस पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाती रही है।

उधर रुद्रपुर विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी शिव अरोड़ा का चुनाव प्रचार के दौरान रुपए बांटने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसे लेकर भाजपा के बागी प्रत्याशी राजकुमार ठुकराल ने चुनाव आयोग से चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत करते हुए उन पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है उन्होंने अपने ऊपर लगे आरोपों पर सफाई देते हुए कहा कि वह पहले भी गरीबों की मदद करते रहे हैं। अगर उन्होंने किसी गरीब महिला को सहायता या दान के तौर पर रुपए दिए हैं तो इसे गलत ढंग से क्यों लिया जा रहा है।

दिल्ली की तरह करेंगे देव...

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

कुछ भी होने वाला नहीं है। जैसा अब तक रहा है वैसा ही रहेगा, कुछ बदलने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी आपको बदलाव करके दिखाएगी आप एक बार हमें मौका दे कर देखो। आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी और सीएम का चेहरा जनरल कोठियाल व चौबट्टाखाल से प्रत्याशी बृजमोहन नेगी ने अपने क्षेत्रों में चुनाव प्रचार किया वही आप नेता दिनेश मोहनिया ने भी कोटद्वार में पार्टी प्रत्याशी के लिए चुनाव प्रचार किया।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।